सुविचार
कभी भी किसी को भला बुरा कहने से पहले यह अवश्य सोच लें कि यदि वही शब्द कोई आपसे कहे तो आपको कैसा प्रतीत होगा।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

अक्षय इंड्रस्टी के मजबूत पिलर हैं : रवीना

08

Ranchi ● Monday, 22 May 2023 ● Year : 01 ● Issue : 125 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	61,729.68
निफ्टी	:	18,203.40

SARAFA

सोना	:	5,765
चांदी	:	79.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पुंछ में आतंकियों के खिलाफ सैन्य अभियान के दौरान गोलीबारी

POONCH : जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर के भाटादूडियां और तोता गली के पास केरी क्षेत्र में रविवार को आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य अभियान के दौरान गोलीबारी हुई। सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी गोलीबारी की। कुछ देर बाद गोलीबारी बंद हो गई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने क्षेत्र की मस्जिदों से अनाउंसमेंट करवाकर लोगों को घरों के भीतर रहने के निर्देश दिए। सुरक्षाबलों ने सारे क्षेत्र को घेरकर तलाशी शुरू की। आने-जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया गया।

चतरा में तीन राजस्व कर्मी सस्पेंड

CHATRA : चतरा डीसी अबु इमरान ने टंडवा अंचल के हल्का आठ के ग्राम डहू में बिना जमाबंदी के अवैध तरीके से बाहरी लोगों का नाम पंजी टू में दर्ज कर एवं फर्जी राजस्व कागजात तैयार कर नाजायज काम करने वाले टंडवा के तीन राजस्व कर्मी सस्पेंड कर दिया। इनमें राजस्व कर्मी नारायण राम, राजनारयण उर्फ मुन्ना तथा गुरुदेव सिंह के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया गया है। ये कर्मचारी फिलहाल इटखोरी, हंटरगंज और लावालौंग अंचल में पदस्थापित है। बताया जाता है कि कुछ दिनों पूर्व टंडवा के सीओ बिजय कुमार के रिपोर्ट के आधार पर उक्त कदम डीसी ने उठाया है। इसके पूर्व टंडवा के पांच राजस्वकर्मी निलंबित किये जा चुके हैं। टंडवा में पूर्व में पदस्थापित अंचल निरीक्षक फुलेश्वर साव एक प्रेस वार्ता आयोजित कर तथा चतरा उपायुक्त को लिखित शिकायत कर खुलासा किया था कि टंडवा में राजस्व निरीक्षकों के द्वारा अवैध रूप से हजारों जमाबंदी कायम किया गया है।

जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य को एनआईए ने किया गिरफ्तार

JAMMU : जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान कुपवाड़ा निवासी मोहम्मद उबैद मलिक के रूप में हुई है। उसके पास से हथियार व विस्फोटक बरामद हुए हैं। एनआईए की टीम उससे पूछताछ कर रही है। एनआईए के अनुसार मोहम्मद उबैद मलिक को जम्मू-कश्मीर में आतंकी साजिश की संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया है। मोहम्मद उबैद मलिक पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर के लगातार संपर्क में था। जांच में यह भी पता चला है कि आतंकी उबैद मलिक पाकिस्तान स्थित अपने कमांडर को विशेष रूप से सैनिकों और सुरक्षाबलों की आवाजाही के बारे में गुप्त जानकारियां दे रहा था। एनआईए ने उसके कब्जे से हथियार, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेज आईईडी, रिमोट कंट्रोल से चलने वाले स्टिकी बम और चुंबकीय बम, नशीले पदार्थ व नकदी बरामद किए हैं। एनआईए की जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि वह जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए आईईडी और विस्फोटक स्थानीय स्तर पर भी इकट्ठे कर रहा था। उसका इरादा अल्पसंख्यकों व सुरक्षाबलों को निशाना बनाना कर जम्मू-कश्मीर में माहौल बिगाड़ कर यहां की शांति को भंग करने का था।

30 लाख का इनामी PLFI सुप्रीमो दिनेश गोप धराया

दिल्ली से दबोचा गया, 102 मामलों का था वांटेड, लाया गया रांची

CRIME REPORTER RANCHI : लंबे समय से आतंक का पर्याय बने पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गिरफ्तार हो गया। दिनेश गोप को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की सूचना पर दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दिनेश गोप अपना हुलिया बदलकर (सरदार के भेष में) रह रहा था। इसी दौरान आईबी को मिली सूचना के आधार पर एनआईए ब्रांच रांची की टीम ने कार्रवाई करते हुए दिनेश गोप को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दिनेश गोप को एयर एशिया की विमान से रविवार की शाम पांच बजे रांची एयरपोर्ट लाया गया। एनआईए के द्वारा दिनेश गोप को गुप्त स्थान पर रखकर पूछताछ की जाएगी। इस दौरान कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। दिनेश गोप के ऊपर झारखंड पुलिस ने 25 लाख का इनाम घोषित किया था। वहीं एनआईए ने उसपर पांच लाख का इनाम घोषित कर रखा था। पिछले एक साल में झारखंड पुलिस की पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के दस्ते के साथ आधा दर्जन से अधिक मुठभेड़ हुई। लेकिन हर मुठभेड़ में दिनेश गोप बचकर भाग निकलता था। बता दें कि रांची से 35 किमी दूर खूंटी जिले के जरियागढ़ थाना क्षेत्र में लाप्पा मोहराटोली गांव है। वैसे तो यह गांव झारखंड के आम गांवों की तरह ही है। लेकिन ये लाप्पा मोहराटोली का मोस्ट वांटेड पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप का गांव है। दर्जनों लोगों की हत्या का आरोपी दिनेश गोप लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। जिसे झारखंड और बिहार पुलिस के अलावा एनआईए भी खोज रही थी। पीएलएफआई उग्रवादी संगठन के कई बड़े उग्रवादी पकड़े गये या फिर मारे गये। लेकिन दिनेश गोप को पकड़ना या फिर मार गिराना झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था।

पेज 3 भी देखें।

एयर एशिया के विमान से पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को लेकर रांची पहुंची पुलिस ● फोटोन न्यूज

लंबे समय से एनआईए को दिनेश गोप की थी तलाश

एनआईए को पीएलएफआई उग्रवादी संगठन के प्रमुख की आरसी 02/2018 मामले में तलाश थी। गौरतलब है कि नोटबंदी के ठीक बाद दिनेश गोप ने लेवी के 25.38 लाख रुपये एसबीआई रांची के बेड़ो शाखा में एक पेट्रोल पंप संचालक के जरिए जमा करवाने की कोशिश की थी। रांची पुलिस ने 10 नवंबर 2016 को पेट्रोल पंप संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इस मामले में एनआईए ने 19 जनवरी 2018 को केस टेकओवर किया था। एनआईए ने शुरूआत में छापेमारी कर दिनेश गोप के सहयोगी सुमंत कुमार समेत अन्य के ठिकानों से 90 लाख नकदी और निवेश संबंधी कागजात बरामद किये थे। एनआईए ने जांच के क्रम में दिनेश गोप की दो पत्नियों हीरा देवी और शकुंतला कुमारी को भी गिरफ्तार किया था। 2 मार्च 2020 को एनआईए ने दिनेश गोप के खास सहयोगी जयप्रकाश सिंह भुइयां और अमित देशवाल को गिरफ्तार किया था। पीएलएफआई के पैसों को कंपनियों में निवेश के मामले में गुजरात के एक व्यवसायी को भी एनआईए ने गिरफ्तार किया था। लेकिन दिनेश गोप अबतक पकड़ से दूर था। अब उसे दबोच लिया गया है।

दो दशक से था फरार

एनआईए की जांच के अनुसार, आरोपी दिनेश गोप के खिलाफ झारखंड, बिहार और ओडिशा राज्यों में 102 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से अधिकांश मामले हत्या, अपहरण, धमकी, जबरन वसूली और पीएलएफआई के लिए धन जुटाने से संबंधित है। दिनेश गोप करीब दो दशक से फरार चल रहा था। गोप व्यवसायियों, ठेकेदारों और जनता को बड़े पैमाने पर आतंकित कर अपनी पीएलएफआई टीम के सदस्यों के माध्यम से पैसे वसूलता और हमलों को अंजाम देता था। जबरन वसूली पीएलएफआई की आय का प्रमुख स्रोत है और संगठन कोयला व्यापारियों, रेलवे ठेकेदारों और झारखंड के विभिन्न जिलों में विकासात्मक परियोजनाओं में शामिल विभिन्न निजी संस्थाओं को निशाना बनाता रहा है। गतिविधियों को फैलाने के लिए विभिन्न आपराधिक गिरोहों के साथ गठजोड़ भी किया था और झारखंड में हत्या और आगजनी की कई घटनाओं को अंजाम दिया था।

पापुआ न्यू गिनी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मरापे ने पांव छूकर मोदी का किया स्वागत

पोर्ट मोरेस्बी पर पीएम मोदी के पैर छूते व गले मिलते प्रधानमंत्री जेम्स मारापे।

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में रविवार को पापुआ न्यू गिनी पहुंचे। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पापुआ न्यू गिनी की यह पहली यात्रा है। जापान से करीब साढ़े 7 घंटे की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री विमान से पोर्ट मोरेस्बी पहुंचे, जहां पापुआ न्यू गिनी में उनकी अगवानी प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने की। प्रधानमंत्री के विमान से उतरने के बाद दोनों नेता पहले गले मिले। उसके बाद प्रधानमंत्री मारापे ने प्रधानमंत्री मोदी के पांव स्पर्श करने का प्रयास किया, जिसके बाद प्रधानमंत्री ने उन्हें पीठ पर थापी देते हुए गले लगा लिया। इसके बाद उनका पूर्ण औपचारिक स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। आम तौर पर देश में सूर्यास्त के बाद आने वाले किसी भी नेता का औपचारिक स्वागत नहीं किया जाता, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक विशेष अपवाद के तौर पर उनका पूर्ण औपचारिक स्वागत किया गया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार कल पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे के साथ संयुक्त रूप से भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच के तीसरे शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। पापुआ न्यू गिनी में प्रधानमंत्री मोदी के द्विपक्षीय कार्यक्रम होंगे। इसमें गवर्नर-जनरल सर बॉब डाडे और प्रधानमंत्री जेम्स मारापे के साथ बैठकें शामिल हैं।

आज FIPIC समिट में शामिल होंगे पीएम

पीएम मोदी 22 मई को पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारेप और नए गवर्नर सर बॉब डाडे से बातचीत करेंगे। इसके बाद पैसिफिक आईलैंड कंट्रीज के लीडर्स के साथ होने वाली फोरम फॉर इंडिया पेसिफिक आईलैंड कॉ-ऑपरेशन समिट में शामिल होंगे। इस बैठक के लिए सभी 14 द्वीप देशों के प्रमुख पापुआ न्यू गिनी पहुंचे हैं। FIPIC को 2014 में मोदी की फिजी यात्रा के दौरान लॉन्च किया गया था। पीएम मोदी के साथ इन देशों की ये तीसरी बैठक होगी। 23 मई को पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया रवाना हो जाएंगे। यहां वो भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करेंगे। 24 मई को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंटनी एल्बानीज से मुलाकात करेंगे। 25 मई को सुबह दिल्ली वापस आ जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिरोशिमा में हुई 19-21 मई तक हुई जी-7 की बैठक में गेस्ट के तौर पर शामिल हुए थे। जी-7 दुनिया के सात विकसित और अमीर देशों का समूह है। जिसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। इसे ग्रुप ऑफ सेवन भी कहा जाता है।

संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए, पीएम को नहीं : राहुल

28 मई को प्रधानमंत्री संसद की नई बिल्डिंग का करेंगे उद्घाटन

AGENCY NEW DELHI : 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद की नई बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। राहुल गांधी ने इसका विरोध किया है। राहुल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा- संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ही करना चाहिए, प्रधानमंत्री को नहीं। 18 मई को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने पीएम को नए भवन का उद्घाटन करने का निमंत्रण दिया था।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, तमाम विपक्षी दल और कांग्रेस ने नई बिल्डिंग के इनॉगरेशन की तारीख पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा- 28 मई को हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की जयंती है। इसी दिन नए संसद भवन का उद्घाटन करना राष्ट्र निमार्ताओं का अपमान है।

नई संसद की खासियत

- अभी लोकसभा में 590 लोगों की सीटिंग कैपेसिटी है। नई लोकसभा में 888 सीटें हैं और विजिटर्स गैलरी में 336 से ज्यादा लोगों के बैठने का इंतजाम है।
- अभी राज्यसभा में 280 की सीटिंग कैपेसिटी है। नई राज्यसभा में 384 सीटें हैं और विजिटर्स गैलरी में 336 से ज्यादा लोग बैठ सकेंगे।
- लोकसभा में इतनी जगह होगी कि दोनों सदनों के जॉइंट सेशन के वक्त लोकसभा में ही 1272 से ज्यादा सांसद साथ बैठ सकेंगे।
- संसद के हर अहम कामकाज के लिए अलग-अलग ऑफिस हैं। ऑफिसर्स और कर्मचारियों के लिए भी हाईटेक ऑफिस की सुविधा है।
- कैफे और डाइनिंग एरिया भी हाईटेक है। कमेटी मीटिंग के अलग-अलग कमरों में हाईटेक इक्विपमेंट लगाए गए हैं।
- कॉमन रूम्स, महिलाओं के लिए लाउंज और वीआईपी लाउंज की भी व्यवस्था है।

दुर्गा सोरेन की 14वीं पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

राज्य के वीर शहीदों के सम्मान के लिए काम करेगी सरकार : CM HEMANT

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को झारखंड आंदोलन के योद्धा एवं पूर्व विधायक दुर्गा सोरेन की 14वीं पुण्यतिथि पर रांची के नामकुम (लोवाडीह) स्थित दुर्गा सोरेन स्मारक पहुंचे। वहां मुख्यमंत्री ने दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सीएम ने कहा कि वर्षों से वीर शहीदों को हम सभी सम्मान देते रहे हैं। शहीदों के सम्मान के लिए हमारी सरकार राज्य के विभिन्न शहीद स्मारकों को भव्यता प्रदान करने का कार्य कर रही है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज झारखंड आंदोलन के अगुवा और माटी पुत्र बड़े भाई दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि है। पुण्यतिथि के मौके पर हम सभी लोग उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। शहीदों के सम्मान के लिए हमारी सरकार राज्य के विभिन्न शहीद स्मारकों को भव्यता प्रदान करने का कार्य कर रही है। वर्षों से वीर शहीदों को हम सभी लोग मान-सम्मान देते रहे हैं। आगे भी एक बेहतर कार्य योजना के तहत राज्य के वीर शहीदों के सम्मान के लिए हमारी सरकार कार्य करेगी।

इस मौके पर मंत्री हफीजुल हसन अंसारी, विधायक सीता सोरेन, सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद कुमार पांडेय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इन्होंने दुर्गा सोरेन को श्रद्धासुमन अर्पित किया। आपको बता दें कि दुर्गा सोरेन का जन्म 1970 में हुआ था। 21 मई 2009 में उनका निधन हो गया था।

दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर माला अर्पित करते हेमंत सोरेन ● फोटोन न्यूज

झारखंड कृषि विभाग की टीम ने केरल में कृषि और मत्स्य से जुड़ी तकनीकी के संबंध में ली जानकारी

केरल की उत्कृष्ट कृषि नीति एवं तकनीक को झारखंड में लागू करना हमारा प्रयास : बादल

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री बादल पत्रलेख के नेतृत्व में केरल भ्रमण पर गई टीम लगातार झारखंड में कृषि की नई तकनीक को लागू करने के लिए अलग-अलग कृषि संस्थानों का भ्रमण कर रही है। इसी क्रम में विभागीय मंत्री, सचिव और अन्य अधिकारियों ने रविवार को केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान कोच्चि (केरल) का दौरा किया। वहां कृषि, मत्स्य से जुड़ी तकनीकी एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी हासिल की। मौके पर बादल पत्रलेख ने कहा कि केरल राज्य में कृषि , पशुपालन एवं मत्स्य के क्षेत्र में कई स्तर पर कार्य किए हैं। इसमें तकनीकी समावेश एक महत्वपूर्ण अंग है। हमारा प्रयास है कि केरल राज्य की उत्कृष्ट कृषि नीति एवं तकनीक को झारखंड में लागू किया जाए। मंत्री ने संस्थान के निदेशक के साथ झारखंड के मात्स्यिकी संसाधनों एवं उसके अनुसार राज्य के जरूरतों के बारे में विस्तृत से बताया । वहां के वैज्ञानिकों को राज्य में अवस्थित जलाशयों, परित्यक्त खदानों से मत्स्य पालन से संबंधित तकनीक उपलब्ध कराने के बारे में भी चर्चा हुई। इस दौरान मंत्री ने कहा कि अपनी टीम को राज्य में भेजकर जलकर का विस्तृत सर्वे एवं जानकारी एकत्र करते हुए राज्य के आवश्यकता अनुसार नाव एवं जाल का डिजाइन करें। इससे मत्स्य शिकारमही एवं मत्स्य पालन व्यवसाय से जुड़े लोगों को अधिक से अधिक फायदा हो सकेगा। झारखंड राज्य में वृहत रूप से हो रहे केज कल्चर के लिए विशेषकर केज के बाहर ट्रैप लगाने से भी मत्स्य पालकों की आमदनी में वृद्धि हो रही है। बादल ने कहा कि संस्थान द्वारा नए डिजाइन किए गए सोलर पावर से संचालित मोटर बोट भी राज्य हित में, मत्स्य शिकार एवं मत्स्य पर्यटन में, मील का पत्थर साबित हो सकता है।

केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान कोच्चि का भ्रमण करते मंत्री व अन्य।

नक्सली की साजिश नाकाम जंगल से तीन केन बम बरामद

कुछ-कुछ दूरी के अंतराल पर नक्सलियों ने रखा था

PHOTON NEWS CHAIBASA : भाकपा माओवादी नक्सलियों की पश्चिमी सिंहभूम जिले के सघन जंगल में बम से पुलिस को निशाना बनाने की बड़ी साजिश रविवार को विफल हो गई। नक्सलियों के खिलाफ शुरू अभियान के दौरान बंदगांव प्रखंड के कराईकेला थाना क्षेत्र में तेंदा गांव के पास जंगल में पुलिस दल की नजर एक बम पर पड़ी। यह देखकर पुलिस जवान चौकन्ना हो गए। आसपास गहन छानबीन के दौरान दो और बम मिले। अगर इन केन बमों पर धोखे से भी पांव पड़ जाता तो विस्फोट से भारी क्षति हो सकती थी। पश्चिमी सिंहभूम जिला के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि पांच किलोग्राम क्षमता के तीनों बमों को जंगल में सुरक्षित नष्ट कर दिया गया। यह बम कराईकेला थाना अंतर्गत इंद्रवा और तेंदा गांव के बीच जंगल में कुछ-कुछ दूरी के अंतराल पर बरामद हुए हैं। नक्सलियों के सफाये के लिए शुरू अभियान के तहत यह बम सीआरपीएफ 60 बटालियन और स्थानीय पुलिस के जवानों ने बरामद किए।

बरामद केन बम ● फोटोन न्यूज

सरकार बंगले में मस्त, बिजली- पानी के बिना जनता त्रस्त : SANJAY SETH

PHOTON NEWS RANCHI

रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि रांची सहित पूरे झारखंड में बिजली और पानी के बिना हाहाकार मचा हुआ है। जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। सरकार बंगले में मस्त है, बिजली-पानी के बिना जनता त्रस्त है। ऐसा लग रहा है जैसे सरकार को जन सरोकार से कोई मतलब ही नहीं है। सेठ अरगोड़ा स्थित सांसद कार्यालय में रविवार को प्रेस वार्ता में बोल रहे थे।

प्रेस वार्ता में संबोधित करते सांसद संजय सेठ। ● द फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि जन सरोकार से मतलब नहीं रखने वाली सरकार को सत्ता में रहने का कोई भी हक नहीं होना चाहिए। इस भीषण गर्मी में बिजली कटौती से बच्चे, बुजुर्ग,मरीज और किसान परेशान है। छोटे-छोटे उद्योग धंधे बंद होने के कगार पर है। बिजली आपूर्ति नहीं होने के कारण गांव के किसान खेतों में पानी नहीं पटा पा रहे हैं। इस वजह से फसल का नुकसान हो रहा है। छोटे-छोटे व्यापारी बिजली की किल्लत से परेशान है ।पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। पानी भरने के लिए लोग रात -रात भर जाग रहे हैं। नगर निगम पूरी तरह विफल है। पानी के कारण आपस में लोग लड़ाई झगड़ा तक कर रहे हैं। रांची के 60 प्रतिशत चापाकल फेल हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता 50 साल पूर्व जैसे पंखा हिलाकर गर्मी भगाते थे और लालटेन जलाकर घर में उजाला करते थे। ऐसे युग में फिर से राज्य सरकार ने यहां के लोगों को जीने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास कोई विजन नहीं है कि कैसे बिजली और पानी के संकट का समाधान किया जा सके।

राजनीति में जीतना होगा लोगों का विश्वास बनानी होगी अलग पहचान : अरविंद निषाद

सेकेंड इंटरनेशनल चांय समाज थिंक-टैंक मीटिंग का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI

सेकेंड इंटरनेशनल चांय समाज थिंक-टैंक मीटिंग का आयोजन रविवार को प्रेस क्लब सभागार में किया गया। इसमें जदयू प्रवक्ता एवं अति पिछड़ा आयोग बिहार के सदस्य अरविंद कुमार निषाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

बैठक में उपस्थित समाज के लोग। ● द फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि चांय समाज को वह पहचान मिलनी चाहिए जिसके लिए यह डिजर्व करता है। यह चांय जाति एक अंतरराष्ट्रीय जाति के रूप में है। यह जाति भारत के बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड में निवास करते हैं। भारत के अलावा यह जाति नेपाल व बंगलादेश में भी पाई जाति है। यह समाज पश्चिम बंगाल में एससी कैटेगरी में है। इसके अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड में पिछड़ा वर्ग की सूची में है।

उन्होंने कहा कि हमारे समाज के लोग शारीरिक मेहनत खूब करते हैं। राज मिस्त्री, ठेला चलाना, फल-सब्जी बेचना आदि कर अच्छी कमाई तो जरूर करते हैं लेकिन काम पूरा करने के बाद सीधे शराब पीने के लिए जाते हैं। उसके बाद जो थोड़ा बहुत बचता है, उसे अपने परिवार के लिए लाते हैं। सब से पहले इस बुरी आदत से बचना होगा। राजनीति में लोगों का विश्वास जीतना होगा और अपनी अलग पहचान बनानी होगी।

इस मौके पर दयानंद प्रसाद, बजरंग मंडल, पवन कुमार चांय, मणिकांत सिंह, राजकुमार, चंदेश्वरी मंडलपिंटू मंडल, अजीत मंडल, वैशाली बिहार, साहेबगंज, हजारीबाग, मुंगेर, भागलपुर, मधुपूर, कटिहार, बिहार आदि के लोग मौजूद थे।

बीजेपी पर निशाना साधते हुए बोले सीएम

नोटबंदी की तरह ही राजनीतिक निर्णय है दो हजार के नोट का चलन से बाहर होना

PHOTON NEWS RANCHI

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने रविवार को कहा कि 2 हजार का नोट चलन से हटाना नोटबंदी की तरह ही एक राजनीतिक निर्णय है। दुर्भाग्य ये है कि इसकी उम्र महज 6-7 साल रही।

आपको बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक ने 19 मई को 2 हजार रुपये के नोट को वापस लेने की घोषणा की और कहा कि ये नोट 30 सितंबर तक बैंक खाते में जमा कराये जा सकते हैं या बदले जा सकते हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया है कि चलन से 2 हजार रुपये का नोट हटाना नोटबंदी की तरह ही एक राजनीतिक निर्णय है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 2016 में की गयी नोटबंदी की तरह ही ये राजनीतिक निर्णय है। दुर्भाग्य है कि 2 हजार रुपये के नोट की उम्र महज छह-सात साल रही। इस दौरान सीएम ने कहा कि नोटबंदी के चलते दो लाख से अधिक छोटे एवं मझोले उद्योग बंद हो गये। हर चीज की एक उम्र होती है, लेकिन 2 हजार के नोट की उम्र महज 6-7 साल ही रही।

सीएम हेमंत सोरेन की फाईल फोटो।

धर्म के नाम पर कुछ ताकतें दंगा करा रही हैं: शरद पवार

AGENCY MUMBAI

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि कुछ ताकतें धर्म के नाम पर दंगा करा रही हैं। उन्होंने कहा कि अहमद नगर में इसी वजह से दंगा हुआ और तीन दिन अहमदनगर दंगे की आग में झुलसता रहा। इससे आमजन और व्यापारियों का काफी नुकसान हुआ है।

शरद पवार की फाईल फोटो।

शरद पवार रविवार को अहमदाबाद में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भी चुनाव से पहले इसी तरह का प्रयोग किया गया था। नफरत फैलाने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया गया था। लेकिन आम जनता ने इस तरह के प्रयोग को असफल कर दिया। शरद पवार ने कहा कि जो कर्नाटक में हुआ वह अन्य राज्यों में भी हो सकता है। इसलिए सभी दलों को इससे सीख लेनी चाहिए।

शरद पवार ने कहा, 'धर्म के नाम पर दूरी बढ़ाई जा रही है। कुछ ताकतें जाति की खाई को चौड़ा करके संघर्ष को बढ़ा रही हैं। उस शक्ति से लड़ने की चुनौती आप और हम पर है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो मेहनतकशों का जीवन बर्बाद हो जाएगा। हमें इसके लिए तैयारी करनी चाहिए। शरद पवार ने कहा, देश में तस्वीर बदल रही है। मैं कल बैंगलोर में था। नई सरकार आई है। कुछ लोगों ने वहां कई वर्षों तक शासन किया। उन लोगों ने अपनी सरकार के दौरान लोगों में नफरत फैलाने का काम किया। पूरे देश को लगा था कि सत्तारूढ़ भाजपा कर्नाटक चुनाव जीत जाएगी। लेकिन कल शपथ ग्रहण समारोह हुआ और आम आदमी की सरकार सत्ता में आ गई। शपथ ग्रहण समारोह में एक लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए। उनमें से 70 प्रतिशत युवा थे और सभी जाति के थे।

शरद पवार ने कहा कि कर्नाटक में, धनगर समुदाय का एक व्यक्ति मुख्यमंत्री बना। वह मेहनती है और वहां के लोगों के कल्याण की देखभाल करता है। इतनी छोटी जाति के व्यक्ति ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मेहनतकश लोग एकजुट थे। अगर यह कर्नाटक में एकजुट हो सकता है, तो यह कोशिश करने का समय है कि इसे देश के अन्य राज्यों में भी एकजुट किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काशी नगरी का हुआ कायाकल्प : देवुसिंह चौहान

मंत्री देवुसिंह चौहान ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में लगाई हाजिरी

AGENCY VARANASI

केंद्रीय संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान ने अपने तीन दिवसीय काशी दौरे में जहां डाक विभाग के महिला सशक्तिकरण उत्सव और सी डॉट व बीएसएनएल की 4जी सेवा का शुभारंभ किया। वहीं, काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव, श्री काशी विश्वनाथ दरबार, मां अन्नपूर्णा और संकटमोचन मंदिर में भी हाजिरी लगाई। केन्द्रीय मंत्री ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन के बाद रुद्राभिषेक भी किया।

मंत्री देवुसिंह चौहान को बौद्ध साहित्य भेंट करते सचिव वेन. आर. सुमिथानंदा थेरो।

बाबा के दिव्य, नव्य और विस्तारित स्वरूप को देख आह्लादित केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन पाना अनेक जीवन का पुण्य प्रताप है। आज बाबा का दर्शन पाकर मैं धन्य हो गया।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि लगभग 12 वर्ष पहले काशी आया था, तब मैंने सोचा भी नहीं था कि काशी नगरी ऐसी भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तब की काशी नगरी और आज की काशी नगरी में बहुत ही परिवर्तन और निरंतर विकास दिखाई पड़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काशी के लोग अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने तीन दिवसीय काशी प्रवास में नवनिर्मित 'नमो घाट' पर मां गंगा का आचमन कर घाट के सौन्दर्य को भी देखा। इसके उपरांत दशाश्वमेध घाट पर विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती भी देखी।

केन्द्रीय मंत्री ने ऐतिहासिक सारनाथ में भी भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने पुरा अवशेषों को निहारने के साथ-साथ धमेख स्तूप, मूलगंधकुटी बौद्ध मंदिर और महाबोधि वृक्ष के दर्शन भी किए। महाबोधि सोसायटी के संयुक्त सचिव वेन. आर. सुमिथानंदा थेरो ने उन्हें बौद्ध साहित्य भी भेंट किया। राजकीय संग्रहालय में राज चिन्ह पर अंकित अशोक स्तम्भ, पुरा अवशेषों और बौद्ध संस्कृति की परम्परा को उन्होंने बखूबी देखा और इसकी सराहना की।

वह लहरतारा स्थित कबीर प्राकट्य स्थल का भी उन्होंने दर्शन किया। यहां पर मठ के महंत गोविंद दास शास्त्री ने उन्हें संत कबीर से संबंधित साहित्य भी भेंट किया। संत के जन्मस्थली पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि हम बचपन से ही संत कबीर को पढ़ते आ रहे हैं, ऐसे में संत कबीर मठ और सरोवर के दर्शन पाकर धन्य महसूस कर रहा हूं।

उन्होंने कहा कि काशी शिव की नगरी, आध्यात्म की नगरी, संस्कृति की नगरी, महात्माओं की नगरी और महान आत्माओं की नगरी है। यहां से प्राप्त ज्ञान और उपदेश को आत्मसात कर और उन मानवीय आदर्शों के मार्ग पर चलकर ही आज भारत विश्वगुरू बनने में अहम भूमिका निभा रहा है।

इस दौरान वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव, प्रवर डाक अधीक्षक राजन, डाक अधीक्षक हेमंत कुमार, सहायक अधीक्षक आर.के. चौहान, सुरेंद्र चौधरी, डाक निरीक्षक श्रीकांत पाल सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई

आधुनिक भारत के निर्माता और भारतीय सूचना क्रांति के जनक थे राजीव गांधी : राजेश ठाकुर

PHOTON NEWS RANCHI

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सादगीपूर्वक मनाई गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

राजेश ठाकुर ने कहा कि आधुनिक भारत के निमार्ता, भारतीय सूचना क्रांति के जनक, पंचायती राज सशक्तिकरण के सूत्रधार, युवाओं के प्रेरणास्त्रोत, देशहित में सब कुछ न्यौछावर करने वाले कुशल प्रशासक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी सदैव याद रहेंगे। झारखंड अलग राज्य के बिना यहां रहने वाले आदिवासियों मूलवासियों एवं सभी समुदाय के लोगों का विकास संभव नहीं है, ऐसा उदगार राजीव गांधी ने गुमला, सिमडेगा और खूंटी की जनसभाओं में प्रकट किया था। राजीव गांधी ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में कई बड़ी योजनाओं में झारखंड के हितों को सर्वोपरि रखते थे।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाते प्रदेश कांग्रेस कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

पूर्व मंत्री सह कार्यकारी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि देश की पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत और सशक्त बनाने के साथ ही कंप्यूटर एवं संचार क्रांति लाकर युवा, आधुनिक एवं सुदृढ़ भारत के निर्माण में उनका योगदान अतुल्य है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा की सूचना क्रांति, पंचायती राज और युवाओं को मताधिकार देने जैसी उनकी क्रांतिकारी सोच व संकल्प ने भारत को विकसित व आधुनिक राष्ट्र बनाया। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी रहेगा।

श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री सह कार्यकारी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, राकेश सिन्हा, अमुल्य नीरज खलखो, विनय सिन्हा दीपू, प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, रमा खलखो,अमरेन्द्र सिंह, अभिलाष साहू, कमल ठाकुर और डॉ राकेश किरण महतो सहित अन्य शामिल थे।

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सपत्नीक किए भगवान महाकाल के दर्शन, महाकाल लोक का किया भ्रमण

AGENCY UJJAIN

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल रविवार को सपत्नीक उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। उन्होंने सोला पहनकर गर्भगृह में भगवान का पूजन अर्चन और अभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने नंदी हॉल में बैठकर भगवान की आराधना की। उन्होंने ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करते हुए माला जपी और उसके बाद नंदी के कानों में अपनी मनोकामना भी कही।

पत्नी सहित गर्भगृह में शिवलिंग का अभिषेक करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

दरअसल, केन्द्रीय मंत्री गोयल रविवार सुबह दिल्ली से विमान द्वारा इंदौर एयरपोर्ट आए और यहां से सीधे उज्जैन पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। इस दौरान उनकी पत्नी सीमा गोयल भी उनके साथ थीं। यहां पंचामृत पूजन अभिषेक के बाद उन्होंने नंदी हॉल में भगवान का ध्यान किया और इसके भाग भोग आरती में शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, मंदिर प्रशासक संदीप सोनी, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल मौजूद थे। मंदिर समिति की ओर से उन्हें भगवान महाकाल का प्रसाद और तस्वीर भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

महाकाल मंदिर के पुजारी पंडित आशीष गुरु ने बताया कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल धर्मपत्नी सीमा गोयल के साथ बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आए थे। यहां उन्होंने गर्भगृह से बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन किया, जिसके बाद मंदिर में स्थित अन्य देवस्थलों पर भी पहुंचे।

इस दौरान उनके साथ सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक पारस जैन और प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल महाकाल लोक पहुंचे, जहां उन्होंने ई-कार्ट से महाकाल लोक का भ्रमण किया और इसकी खूबसूरती की तारीफ भी की।

BRIEF NEWS

झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उद्घाटन समारोह में किया आमंत्रित

मुख्यमंत्री के साथ झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस। ● द फोटोन न्यूज

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से रविवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को 24 मई को आयोजित झारखंड हाई कोर्ट के नए भवन के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने चीफ जस्टिस को धन्यवाद देते हुए शुभकामनाएं दीं।

सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से मिले सांसद वीडी राम

PALAMU : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के झरगाड़ा पंचायत क्षेत्र में शुक्रवार को नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की घटना की पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने निंदा की है। उन्होंने रविवार को पीड़ित परिवार के घर ग्राम झरगाडा पहुंचकर परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर फास्ट ट्रैक कोर्ट से कठोर से कठोर सजा दिलाने की मांग की। पीड़ित परिवार से मुलाकात कर न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। स्थानीय पुलिस को फोन कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। वे सुदूर जंगलों के बीच स्थित झारगाड़ में हुए सामूहिक दुष्कर्म की शिकार हुई दलित बिटिया के घर पहुंचे।उनके परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने ने कहा कि बेटी को न्याय दिलाने के लिए जहां भी जरूरत होगी आप मुझे याद कीजिए।

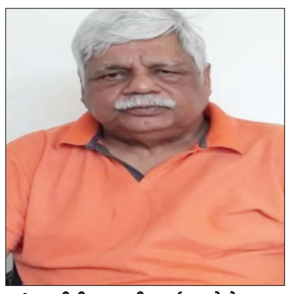
सांसद बीडी राम की फाईल फोटो।

केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर की पहचान छीन ली: महबूबा मुफ्ती

BENGULURU : पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती रविवार को कर्नाटक में कांग्रेस की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाकर केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर की पहचान छीन ली। उन्होंने कहा कि जब तक इसे बहाल नहीं किया जाता तब तक वह चुनाव नहीं लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि वह अनुच्छेद-370 बहाल होने तक विधानसभा चुनाव में नहीं लड़ेंगी जबकि उनकी पार्टी इसमें भाग लेगी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को खुली जेल बताते हुए कहा कि सभी के पासपोर्ट जब्त कर लिए गए हैं।

महबूबा मुफ्ती की फाईल फोटो।

कांग्रेस ने अपने 56 साल के शासन में ओबीसी समाज को कभी महत्व नहीं दिया: अमित शाह

AHMADABAD : केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के शाहीबाग में आयोजित मोदी समाज के राष्ट्रीय महासम्मेलन में कांग्रेस पर हमला बोला। शाह ने कहा कि कांग्रेस के 56 साल के शासन में ओबीसी समाज का कभी भला नहीं हुआ। कांग्रेस ने ओबीसी समाज को प्रताड़ित और अपमानित किया है, जबकि भाजपा ने इस समाज को सम्मान दिया। शाह ने कहा कि भाजपा ने ही देश को पहला ओबीसी समाज का प्रधानमंत्री दिया। मोदी सरकार में 27 केन्द्रीय मंत्री ओबीसी समाज से हैं। साथ ही भाजपा ने ही सबसे अधिक मुख्यमंत्री भी इसी समाज से दिए हैं। भाजपा सरकार ने ओबीसी सूची में बार-बार संशोधन भी किया। महासम्मेलन में केन्द्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि ओबीसी और गरीब समाज के लिए भाजपा सरकार ने कई योजनाएं लागू की हैं। भाजपा के सूरत पश्चिम के विधायक और मोदी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्णेश मोदी की उन्होंने इस अवसर पर सराहना की। मोदी समाज की मानहानि के केस में पूर्णेश मोदी की याचिका पर ही कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सदस्यता रद्द की है। इस अवसर पर अमित शाह ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 9 साल के शासन में ही मोदी सरकार ने ओबीसी समाज के लिए कई बड़े काम किए। 13 करोड़ गरीबों के घर में गैस सिलेंडर पहुंचाए गए। 17 करोड़ लोगों को 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा कवच दिया गया। इसके अलावा 80 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज दिया गया। शाह ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज मोढ़ेश्वरी माता का उपासक समाज एकजुट हुआ है। उसे बड़ी पहचान मिली है। शाह ने कार्यक्रम में पीएम मोदी के संघर्ष का उल्लेख किया और कहा कि वे आज देश के प्रधानमंत्री बने हैं तो इसके पीछे उनके मुख्यमंत्री के तौर पर किए गए अच्छे कार्य शामिल हैं।

BRIEF NEWS

ममता कुमारी ने लालपुर थाना प्रभारी का पदभार संभाला

RANCHI : महिला पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी ममता कुमारी ने रविवार को लालपुर थाना प्रभारी के रूप में पदभार ग्रहण किया। इससे पहले ममता कुमारी एसएसपी की क्यूआरटी, सुखदेव नगर थाना प्रभारी,चुटिया सहित दूसरे जिलों में भी थाना प्रभारी रह चुकी हैं।

ग्रामीण विकास: पुरानी योजनाओं को प्राथमिकता से पूरा करने का लक्ष्य

RANCHI : ग्रामीण विकास विभाग ने लंबित योजनाओं पर चिंता जतायी है। विभाग के सचिव ने सभी जिलों के उपविकास आयुक्त को स्पष्ट निर्देश दिया है कि पुरानी योजनाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता के अनुसार पूरा करें। जो भी राशि भेजी जा रही है उस राशि का उपयोग पहले पुरानी लंबित योजनाओं को पूर्ण करने में करें, नई योजना अभी नहीं लेने को कहा गया है। पलामू, चतरा, लातेहार में बड़ी संख्या में पीएम आवास योजना ग्रामीण व मनरेगा की योजनाएं लंबित हैं। इन जिलों के डीडीसी को स्पष्ट कहा गया है कि हर हाल में 30 जून तक पीएम आवास योजना का काम पूरा कर दें ताकि बारिश के पहले लाभुकों को उनका घर मिल सके। उप विकास आयुक्तों को अधिक से अधिक फील्ड विजिट करने का भी निर्देश दिया गया है। योजनाओं का स्थल निरीक्षण करके कार्य करने को कहा गया है।

रांची में निःशुल्क आरोग्य शिविर का आयोजन

RANCHI : श्री अम्मा भगवान सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को एक दिवसीय आरोग्य शिविर का आयोजन रांची के प्रभात तारा मैदान में किया गया। इस शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के लिए कई स्टॉल लगाए गए थे। जिसमें जनरल फिजिशियन, आंख जांच, हृदय संबंधित जांच, महिला रोग विशेषज्ञ और बच्चों के लिए शिविर लगाए गए थे। झारखंड के विभिन्न जिलों के लोगों ने इस निःशुल्क शिविर में भाग लिया। परामर्श के साथ यहां मुफ्त में दवाईयां भी उपलब्ध कराई गईं। रांची के कई अस्पतालों ने इस शिविर में योगदान दिया। इसी कड़ी में हार्ट सेंटर अस्पताल की ओर से भी यहां शिविर लगा था। जिसमें इसीजी, आरबीसी और ब्लड प्रेशर की जांच की जा रही थी। साथ ही महिलाओं के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ के साथ दूसरे स्टॉल भी लगाया गए थे। जहां कई लोगों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। हार्ट सेंटर की ओर से डॉ। पीजी सरकार, डॉ निधि, डॉ। नितेश कुमार ने लोगों को परामर्श दिया। वहीं रंजीत कुमार, शुभ्रोजीत, अरशद राय, हितकारी, सुरालिन, रणजीत, ममता, अनूप, गुलशन, अरशद, करमचंद, मनिता भी इस मौके पर मौजूद रहे।

झारखंड ने हॉकी हिमाचल प्रदेश को 18-0 से हराया

RANCHI : बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राउरकेला (ओडिशा) में 18 मई से आयोजित 13वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में रविवार को अपने पहले मैच में हॉकी झारखंड ने हॉकी हिमाचल प्रदेश को 18-0 से परास्त कर दिया।

atom美 ATOMY INDIA

RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE

4th Floor, Shop No. 22, 23, 24 Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001 Mob. 9334495776

दिनेश गोप के नेतृत्व में हुई थी PLFI की स्थापना, रंगदारी-लेवी के लिए कुख्यात 2004 से पुलिस को कर रहा था CHALLENGE

भाई की मौत के बाद ओडिशा भाग गया था दिनेश गोप, जब लौटा तो हाथों में थी बंदूक

SUHAIB ANSARI, RANCHI : प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि झारखंड पुलिस और एआईए ने संयुक्त कार्रवाई में उसे गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2000 में पुलिस की गोली से दिनेश गोप के भाई सुरेश गोप की मौत गई थी। दिनेश गोप ओडिशा भाग गया। कुछ दिन बाद वह फिर इलाके में लौटा। अब वह गांव का दिनेश नहीं बल्कि एक ऐसे गिरोह का सरगना था। जिनके हाथों में बंदूकें थीं और जो गरीब-गुरबों के हक की बात करता था। झारखंड में पीएलएफआई की स्थापना दिनेश गोप के नेतृत्व में की गई थी। दिनेश गोप ने पीएलएफआई संगठन को गुमला, पालकोट, रायडीह, घाघरा, विशनुपुर, सिसई, कामडारा में संगठन को मजबूत किया। इस दौरान भाकपा माओवादी के बागी सदस्य मासी चरण पूर्ति ने दिनेश गोप के साथ मिलकर संगठन को तेजी से फैलाया। मासी चरण पूर्ति के साथ भाकपा माओवादी के कई सदस्यों ने पीएलएफआई की सदस्यता हासिल की थी। भाकपा-माओवादी जहां एक विचारधारा से संचालित होती थी। वहीं, पीएलएफआई लेवी व फिरौती वसूली करता था। रंगदारी के लिए कुख्यात पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप 2004 से ही पुलिस को चैलेंज कर रहा था। झारखंड पुलिस ने दिनेश गोप पर 25 लाख का इनाम रखा था। एनआईए ने भी पांच लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। एनआईए और रांची पुलिस के अलावा रांची के सीमावर्ती आधा दर्जन जिलों की पुलिस को उसकी तलाश थी। 30 जनवरी 2020 दिनेश गोप की दोनो पत्नियां हीरा देवी और शकुंतला कुमारी को भी गिरफ्तार किया गया था। इसकी और इसके रिश्तेदार की दर्जनों संपत्ति को जब्त कर लिया गया था। दिनेश गोप राजधानी रांची, खूंटी, चाईबासा, सिमडेगा, गुमला सहित कई जिलों में सक्रिय था।

मुठभेड़ में बच निकला था

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के साथ सुरक्षाबल का फरवरी 2022 में पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुदड़ी थाना क्षेत्र में सिदमा-टेमना पहाड़ी क्षेत्र के जंगल में मुठभेड़ हुआ था। हालांकि जंगल का फायदा उठाते हुए दिनेश गोप अपने दस्ते के साथ भागने में कामयाब रहा। पीएलएफआई का सुप्रीमो दिनेश गोप 26 चक्र की सुरक्षा दस्ता में घिरा रहता था। दिनेश गोप के कर्रा, लापुंग, गुमला एरिया में किसी के प्रवेश के बाद उन 26 सुरक्षा चक्रो को पार कर जाना होता है। यह खुलासा रांची और खूंटी में पुलिस व नक्सली मुठभेड़ के बाद जेल में बंद उसके कई नक्सली साथियों ने किया है। कई बार रांची, गुमला और खूंटी पुलिस ने उसकी सुरक्षा को भेदने का प्रयास किया, लेकिन उसके पहले ही दिनेश गोप वहां से फरार हो गया। इससे पूर्व भी पुलिस पकड़ने का प्रयास किया है। लेकिन दिनेश गोप चकमा देकर फरार हो जाता था।

काली कमाई के निवेश में लेता था पत्नियों की मदद

ठेकेदारों और व्यापारियों को धमकी देकर रंगदारी और लेवी वसूलने वाला दिनेश गोप अपनी 2 पत्नियों हीरा देवी और शकुंतला कुमारी के अलावा कुछ करीबी व्यापारियों के जरिये इन पैसों को कंपनियों में लगाता था। वह जितनी भी काली कमाई करता था, शेल कंपनियों के जरिये उसे बाजार में खपा देता था। इसमें उसकी दोनों पत्नियां और कई रिश्तेदार भी मदद करते थे। 12 मई 2023 को दिनेश गोप के माता-पिता से खूंटी पुलिस मुलाकात कर अपील किया कि दिनेश गोप को सरेंडर करने के लिए प्रेरित करें। हालांकि दिनेश गोप की मां ने पुलिस पदाधिकारी को बताया कि कई सालों से उनकी दिनेश गोप से बातचीत नहीं हुई है और न ही वह घर आया है।

दिनेश गोप

खूंटी के लापा मोरहाटोली का रहने वाला है दिनेश गोप

झारखंड की राजधानी रांची से सटे खूंटी जिला के कर्रा प्रखंड के जरियागढ़ थाना क्षेत्र में स्थित एक गांव है लापा मोरहाटोली। दिनेश गोप मूल रूप से इसी गांव का रहने वाला है। ठेकेदारों में आतंक मचाने और उनसे वसूली के लिए उसके दस्ते के सदस्य कंस्ट्रक्शन साइट्स पर हमले करते थे। निर्माण कार्य में लगी जेसीबी व अन्य मशीनों को फूंक दिया करते थे। साइट पर काम करने वाले मुंशी और कर्मचारियों के साथ मारपीट भी करते थे। परचा छोड़कर लेवी नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी देते थे।

क्रिमिनल से करता था गठजोड़ विदेश से मंगवाता था हथियार

पुलिस के मुताबिक पीएलएफआई उग्रवादियों की तरह संगठित तरीके से काम करता है। ये ऐसे क्रिमिनल का चयन करता है जो लगातार अपराध में जेल गया हो। उसे वह हथियार उपलब्ध कराता है। साथ ही उसे एक निश्चित राशि का भरोसा देकर एरिया का कमांडर बना देता है और उसे उस इलाके में लेवी वसूलने के लिए खुली छूट देता है। नाम दिनेश गोप का होता है और काम क्रिमिनल से एरिया कमांडर बने ये अपराधी करते है। जांच में खुलासा हुआ है कि दिनेश गोप के लिए पाकिस्तान, चीन, बेल्जियम और स्कॉटलैंड से उम्दा किस्म के हथियार मंगवाया जाता था। 14 मई 2023 को खूंटी पुलिस ने पीएलएफआई के सब कमांडर सुखराम गुड़िया को गिरफ्तार किया था। इसके निशानदेही पर एचके 33 जर्मन वैपन बरामद किया गया था। बताया जाता है कि बरामद हथियार दिनेश गोप का था। दिनेश गोप विदेशी हथियारों का इस्तेमाल करता है जो माओवादियों के पास भी नहीं है। पूर्व में भी 14 फरवरी 2019 को एक एचके 33 वैपन बरामद किया जा चुका है। जर्मन वैपन एचके 33 भारत मे प्रतिबंधित है।

लंबा है आपराधिक इतिहास

पीएलएफआई सुप्रीमो और झारखंड पुलिस के मोस्ट वांटेड नक्सली दिनेश गोप का लंबा आपराधिक इतिहास है। उस पर दर्जनों हत्या के आरोप हैं। कहते हैं कि आधा दर्जन से अधिक बार इस खूंखार नक्सली को पुलिस एवं सुरक्षा बलों ने घेरा। दिनेश गोप के दस्ते के साथ जब भी सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हुई, पीएलएफआई सुप्रीमो जवानों को चकमा देकर भाग निकला। झारखंड पुलिस के अलावा बिहार पुलिस भी उसकी तलाश कर रही थी।

भीषण गर्मी की चपेट में झारखंड कई जिलों का तापमान 40 पहुंचा

तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल, 25 जून तक नहीं मिलेगी राहत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड भीषण गर्मी की चपेट में है। राज्य के कई जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से पार चल रहा है। संताल और कोयलांचल के जिलों का अधिकतम तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड हो रहा है। तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल हैं। दिन चढ़ते ही तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। राज्य के ज्यादातर जगहों पर गर्म हवा औ लू चल रही है। सुबह नौ बजे से लेकर शाम पांच बजे तक घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने रविवार को बताया कि राज्य में अभी गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। अगले तीन-चार दिनों तक तापमान चढ़ने के आसार हैं। इस दरम्यान कहीं-कहीं बादल, गर्जन और वज्रपात भी हो सकता है। ऐसी स्थिति 25 जून तक रह सकती है। पिछले एक सप्ताह से राजधानी रांची का अधिकतम तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। मौसम विभाग के आंकड़े के मुताबिक डालटेनगंज का अधिकतम तापमान 43 डिग्री रहा। जमशेदपुर का तापमान 41.4 डिग्री रहा।

रांची में भीषण गर्मी के बीच रोड पर स्कार्फ बांध व मुंह ढककर निकल रहे लोग ● फोटोन न्यूज

बढ़ती गर्मी के साथ रिम्स में बढ़ रही मरीजों की संख्या

झारखंड में लगातार बढ़ती गर्मी से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल हैं। दिन चढ़ते ही तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। वहीं लू लगने के कारण अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। रिम्स प्रबंधन के मुताबिक मेडिसिन विभाग में औसतन एक चौथाई मरीज लू लगने के कारण इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। मेडिसिन में औसतन 150 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें लू लगने से बीमार मरीजों की संख्या 35-38 है, जिन्हें चिकित्सीय परामर्श और जरूरी दवाएं देकर डॉक्टर घर भेज दे रहे हैं। रिम्स के जनसंपर्क अधिकारी डॉ राजीव रंजन ने बताया कि लू लगने के कारण मरीज रिम्स में इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। अधिकांश मरीजों को लूज मोशन और उल्टी हो रही है। वहीं चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि बढ़ती गर्मी की वजह से बच्चों में समर बॉयल (शरीर में फोड़ा) और घमौरी हो रही है। बड़ों को इंसेक्ट डमेर्टाइटिस (कीड़ों का काटना), स्किन एलर्जी, सिहली जैसी समस्या हो रही है। उन्होंने कहा कि अचानक एसी से बाहर धूप में निकलने से स्किन में लाल दाग-धब्बा हो रहा है। ऐसा करने से लोगों को बचने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना

5618 आवास योजना की ही मिली स्वीकृति

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से इस साल सिर्फ 5618 आवास निर्माण का ही लक्ष्य मिला है। पीएम आवास के चौथे घटक लाभार्थी आधारित व्यक्गित आवास निर्माण अंतर्गत 2022-23 में स्वीकृत आवासें के निर्माण के लिए नगर विकास विभाग ने समय-सीमा भी तय कर दी है। झारखंड सरकार की मांग के अनुसार केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने यह आवंटन दिया था जिसके बाद जिलावार आवास निर्माण का लक्ष्य करते हुए सूची भेजी गयी है। 240 दिनों में आवास बनाने का सभी निकायों को लक्ष्य दिया गया है। सभी अधिकारियों को कहा गया है कि वे समयबद्ध योजनाओं की स्वीकृति देकर काम करें। सबसे अधिक आवास हजारीबाग, हुसैनबाद, मेदिनीनगर निकाय का स्वीकृत हुआ है। वहीं, जुगसलाई, बासुकीधाम को सबसे कम आवास स्वीकृत किया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अब शहरी क्षेत्र में यह योजना सैचुरेट हो रही है, अधिक जोर फ्लैट पर दिया जा रहा है। ऐसे में जिलावार सूची तैयार करके ही आवास योजना स्वीकृत हुई है। वहीं, कई निकायों ने आवास के लिए प्रस्ताव ही नहीं भेजा।

240 दिनों में आवास बनाने का दिया लक्ष्य : नगर विकास विभाग ने आवास स्वीकृति के साथ ही 240 दिनों में आवास निर्माण करा देने का लक्ष्य तय किया है। शत-प्रतिशत एमआईएस अटैचमेंट करने, सभी लाभुकों का व्यक्तिगत संचिका संपूर्ण दस्तावेजों के साथ संधारण करने को कहा गया है। लाभुकों के साथ एकरारनामा किया जायेगा। नींव खुदाई, जियो टैगिंग का काम 15 दिनों में करने को कहा गया है।

इन निकायों को इतना आवास

निकाय का नाम	स्वीकृत लाभुकों की संख्या
आदित्यपुर	98
बरहरवा	33
बासुकीनाथ	6
बुंडू	42
चक्रधरपुर	116
चतरा	192
धनबाद	422
डोमचांच	27
दुमका	116
मझिआंव	49
मानगो	42
मेदिनीनगर	575
मिहीजाम	168
फुसरो	9
गढ़वा	332
हजारीबाग	985
हुसैनाबाद	589
झुमरीतिलैया	180
जुगसलाई	3
कपाली	5
खूंटी	571
कोडरमा	13
लातेहार	260
लोहरगा	105
राजमहल	57
साहिबगंज	304
सरायकेला	16
सिमडेगा	283
कुल:29	5618

नगर विकास विभाग ने नगर आयुक्त को पत्र लिख मांगी जानकारी

बड़ा तालाब के सौंदर्यीकरण पर खर्च हुए 14.89 करोड़ का नगर विकास विभाग ने मांगा हिसाब

PHOTON NEWS RANCHI : नगर विकास विभाग ने बड़ा तालाब के सौंदर्यीकरण के फेज-1 के लिए आवंटित राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं भौतिक प्रगति के संबंध में अपडेट रिपोर्ट रांची नगर निगम से मांगा है। इस संबंध में रांची नगर आयुक्त को विभाग ने पत्र लिखा है। बड़ा तालाब सौंदर्यीकरण योजना के तहत नगर विकास विभाग ने 25 फरवरी 2016 को ही पहले फेज में 14.89 करोड़ रुपये आवंटित किया था। विभाग ने इससे पहले भी पूरी रिपोर्ट मांगी थी, जिसके बाद नगर आयुक्त की ओर से यह जानकारी दी गयी कि इस मूल योजना के आंशिक कार्यान्वयन एवं बैलेंस वर्क के कार्यान्वयन में कुल 14,86,13,000 रुपये व्यय हुए हैं।

रांची नगर निगम ने इसके बाद बैलेंस वर्क के कार्यान्वयन में हुए विचलन के लिए कुल 40.69,716 रुपये की अधियाचना भेजी गयी। नगर विकास विभाग ने इस पर रांची नगर निगम से पूछा है कि पूर्व में निगम को राशि जो आवंटित कुल 14,89,13000 रुपये की उपयोगिता प्रमाण विभाग को अपेक्षित है। ऐसे में नगर विकास विभाग ने वांछित उपयोगिता प्रमाण अविलंब उपलब्ध कराने को कहा है ताकि अधियाचना की राशि दी जायेगी।

फाइल फोटो

बड़ा तालाब सौंदर्यीकरण योजना के तहत हुए काम

रांची नगर निगम (आरएमसी) ने 14.89 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ झील के संरक्षण की योजना तैयार की गयी थी। क्योंकि वर्षों से झील अनुपचारित सीवर के पानी और निवासियों द्वारा फेंके गए कचरे के कारण प्रदूषित हो गई थी। रांची हिल के आधार पर स्थित 53 एकड़ की मानव निर्मित झील समुद्र तल से 2,100 फीट ऊपर झील को 1842 में एक ब्रिटिश एजेंट कर्नल ओनस्ली और उनके लोगों द्वारा खोदा गया था। आरएमसी ऐतिहासिक झील को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना पर चल रहा है। इसमें काफी काम हो चुका है।

राजधानी में सड़क किनारे लगेंगे फलदार पौधे, टेंडर जारी

PHOTON NEWS RANCHI : बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत राजधानी के सभी 18 प्रखंडों में सड़क किनारे फलदार पौधे लगाये जायेंगे। इसकेलिए आम, अमरूद, नाशपाती, सरीफा, बेर, कटहल और सहजन के पौधों की खरीददारी की जायेगी। इसको लेकर रांची डीडीसी ने टेंडर जारी किया है। जारी टेंडर में कहा गया है कि इच्छुक ठेकेदार तीन जून तक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण कचहरी में टेंडर जमा कर सकते हैं।

दो लाख एकड़ खाली पड़ी जमीन पर फलों की खेती का लक्ष्य

झारखंड में खेती की आपार संभावनाएं हैं। लेकिन यहां खेती को लेकर ठीक से काम नहीं किया गया। ऐसे में राज्य सरकार ने बिरसा हरित ग्राम योजना की शुरूआत की। इस योजना के तहत राज्य की दो लाख एकड़ खाली पड़ी जमीन पर आम, अमरुद के अलावा मिश्रित फलों की खेती करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लिहाज से राज्य के हर जिले में लगभग 1400 एकड़ जमीन में फलों की खेती की जायेगी। बिरसा हरित ग्राम योजना का मूल उद्देश्य किसानों की आय को बढ़ाना है और राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस योजना का लाभ लेकर ग्रामीण तीन साल बाद 50, 000 तक की कमाई कर सकते हैं।

CUET की परीक्षा शुरू छह जून तक चलेगी

RANCHI : कॉमन यूनिवर्सिटी इनटरेंस टेस्ट (सीयूईटी) की परीक्षा आज रविवार से शुरू हो गयी है। इस परीक्षा में करीब 14 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। जो पिछले साल की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। इस बार सीयूईटी की परीक्षा तीन पालियों में करायी जा रही है। पहला शिफ्ट सुबह आठ से और दूसरा शिफ्ट 11 से हुआ। वहीं तीसरा शिफ्ट तीन से छह बजे तक चलेगा। बता दें कि पहले सीयूईटी की परीक्षा 21 से 31 मई तक आयोजित होनी वाली थी। लेकिन कुछ शहरों में अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने के कारण राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा की तारीख बढ़ा दी। एनटीए के अनुसार, अब सीयूईटी की परीक्षा एक जून, दो जून, पांच जून और छह जून को भी होंगी। सात और आठ जून दो दिन को रिजर्व रखा गया है।

RAMGARH में दो ट्रेलरों के बीच हुई टक्कर, चालक की मौत, खलासी गंभीर

दुर्घटना के बाद बचाव कार्य में लगे लोग व मौके पर पहुंची पुलिस ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH

जिले के चुट्टूपालू घाटी में रविवार सुबह एक अनियंत्रित ट्रेलर ने रांची से हजारीबाग जा रहे दूसरे ट्रेलर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टक्कर मारने वाले ट्रेलर के परखच्चे उड़ गए। ट्रेलर में बैठे चालक और खलासी केबिन में दोनों गाड़ियों के बीच फंस गए। हादसे में चालक की मौत हो गयी, जबकि खलासी गंभीर रूप से घायल है। उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रविवार सुबह दो ट्रेलरों की टक्कर हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर रामगढ़ पुलिस पहुंची और एनएचएआई की रेस्क्यू टीम को फोन कर पूरे मामले की जानकारी दी। एनएचएआई की रेस्क्यू टीम आधे घंटे तक नहीं पहुंची, जिसके बाद रामगढ़ पुलिस ने प्राइवेट हाइड्रा मंगा कर दोनों गाड़ियों के बीच दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर के केबिन में फंसे ड्राइवर और चालक को करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद निकाला। दुर्घटना में चालक की मौत हो गई, जबकि दुर्घटना में खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सदर अस्पताल भेजा गया।

देवघर में बदमाशों ने गृहस्वामी को घायल कर नकदी और सामान लूटा

PHOTON NEWS DEOGHAR

जिले के कुंडा थाना क्षेत्र के ठाढ़ीदुल्लमपुर गांव निवासी आटो चालक चंदन गुप्ता के घर शनिवार देर रात अपराधियों ने नकदी व अन्य सामान की डकैती कर ली।

घटना के संबंध में चंदन गुप्ता की पत्नी ममता देवी ने बताया कि रात के करीब दो बजे वे लोग अपने निमाणार्धीन घर में सोए हुए थे। एक कमरे में वह और पति और दूसरे कमरे में दो बेटी व एक बेटा सोए थे। इस बीच दरवाजा की कुंडा खटखटाने की आवाज सुनाई दी। पति ने दरवाजा खोला तो करीब छह अपराधी जबरन घर के अंदर घुस गए।

चंदन ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वे लोग उसके साथ मारपीट करने लगे। रॉड से उसके ऊपर प्रहार किया गया, जिस कारण वह घायल हो गया। अपराधियों ने घर से करीब दो लाख नकदी, मंगलसूत्र, कपड़ा आदि चोरी कर लिया। पैसा वे लोग घर बनाने के लिए बैंक से निकालकर रखे थे। उन्हें प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ था और ये पैसा उसी काम के लिए था। लूटपाट करने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए।

अस्पताल में इलाजरत ऑटो चालक चंदन गुप्ता। ● द फोटोन न्यूज

विश्व ब्राह्मण संघ व विप्र फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सीबीएसई के टॉपर बच्चों का बढ़ाया गया हौसला

PHOTON NEWS RAMGARH

होटल मनोहर रेसीडेंसी के सभागार में विश्व ब्राह्मण संघ एवं विप्र फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि माननीय प्रदीप कुमार शर्मा व झारखंड प्रदेश मुख्य महासचिव सह सदस्यता प्रभारी विश्व ब्राह्मण संघ व विप्र फाउंडेशन झारखंड प्रदेश महासचिव व सुबोध पांडेय, रामगढ चैंबर ऑफ कॉमर्स एन्ड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष, एवं विशिष्ट अतिथि माननीय नवीन पाठक एवं माननीय नन्दू शर्मा ने सयुंक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया गया। दीप प्रज्वलित कर आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण कर भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। तथा सभी अतिथीयों को पुष्प गुच्छ तथा अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किए गए। तत्पश्चात डीएवी बरकाकाना के झारखंड टॉपर सचिन कान्त झा को प्रशस्ति-पत्र एवं कप देकर सम्मानित किया गया। साथ ही रामगढ जिला के स्कूल टॉपर 10 बच्चो को सम्मानित किया गया। श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल रामगढ के आदर्श पाठक, 93.6% सोनल कुमारी 93.2% सछम दुबे 92.2 % अलिशा मिश्रा 91% तनिषा शर्मा 92.4% है। श्री कृष्णा विद्या मंदिर स्कूल से आकांक्षा पाठक 95% ईशिका कुमारी 90% डीएवी रजरपा से 12वीं की भव्यया ओझा गोला 94% 10वीं की दिव्या ओझा 92.4% लाकर बच्चों ने परचम लहराया। सभी बच्चे ब्राह्मण समाज रामगढ, झारखंड के ही है। यह हम सबो के लिए गौरव कि बात है।

मुख्य अतिथि माननीय प्रदीप कुमार शर्मा व सुबोध पांडेय ने सयुंक्त रूप से सभी टॉपर बच्चों के उज्वल भविष्य कि कामना करते है। कार्यक्रम कि अध्यक्षता श्याम शर्मा ने कि एवं संचालन महेश मिश्रा व संदीप शर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पं राजीव ठाकुर व दिपक तिवारी ने सयुंक्त रूप से किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गोकुल शर्मा, विजय ओझा, एस के मिश्रा, किशोर शर्मा, आदित्य नाथ पाठक, राकेश मिश्रा, उपेन्द्र ओझा, मुना मिश्रा, विजय प्रताप ओझा, ममता ओझा, कान्ता पाठक, पुष्पा शर्मा इत्यादी अनेकों लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● द फोटोन न्यूज

बोकारो में मन का मिलन पखवाड़ा के आयोजन को लेकर हुई बैठक

PHOTON NEWS BOKARO

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो कुमारी रंजना अस्थाना की अध्यक्षता में मध्यस्थता पर आधारित विशेष अभियान मन का मिलन पखवाड़ा के सफल आयोजन को लेकर एक बैठक हुई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सह सदस्य, जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो चन्दन कुमार झा, उप विकास आयुक्त कीर्ति श्री, जिला नजारत उपसमाहर्ता विवेक सुमन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चास पुरुषोत्तम कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बेरमो तेनुघाट सतीश चन्द्र झा, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के प्रमुख एवं सदस्य जिले के सभी मध्यस्थ अधिवक्तागण, पैनल अधिवक्तागण सभी थाना प्रभारी, पीएलवीगण आदि उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव नीभा रंजना लकड़ा के मुताबिक 29 मई से 14 जून यानी एक पखवारे तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत पूरे जिले में मध्यस्थता से संबंधित विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया जायेगा, जिसमें आम लोगों को मध्यस्थता के माध्यम से वादों को निष्पादित किये जाने के महत्व के बारे में जानकारी दी जायेगी। मन का मिलन पखवाड़ा मध्यस्थता के माध्यम से वादों के निष्पादन की एक अनूठी पहल है, जो आम जनमानस के लिए काफी लाभकार एवं कल्याणकारी साबित होगा। इसकी तैयारी जोर-शोर से शुरू कर दी गयी है।

आवासीय स्कूलों में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू, जैक लेगा टेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI

नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर छात्रों के लिए दुमका और चाईबासा में संचालित रेसिडेंशियल स्कूल और इंदिरा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय हजारीबाग के क्लास 6 में एडमिशन के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह एडमिशन सत्र 2023-24 में ली जाएगी। इसके लिए लिखित परीक्षा ली जाएगी। यह परीक्षा झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित की जायेगी।

यह है आवेदन की योग्यता

एडमिशन टेस्ट में शामिल होने के लिए आवेदक झारखंड का मूल निवासी या स्थानीय निवासी होना जरूरी है। 1 अगस्त 2023 को आवेदक की उम्र 10 वर्ष से कम और 12 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। वहीं किसी भी सरकारी या मान्यता प्राप्त स्कूल में पांचवी क्लास पास कर चुका हो और छठी क्लास में पढ़ाई कर रहा हो। आवेदक को आरक्षण का लाभ लेने के लिए संबंधित सर्टिफिकेट देना होगा। अगर आवेदन के समय सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं है तो नामांकन के समय वेरिफिकेशन के दौरान ओरिजिनल सर्टिफिकेट लाना जरूरी होगा। ऐसा नहीं होने पर एडमिशन नहीं लिया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म 20 मई से 5 जून तक भरे जाएंगे। उम्मीदवार द्वारा ऑनलाइन भरे गए आवेदन का प्रिंट आउट निकाल कर स्कूल प्राचार्य से वेरिफिकेशन के बाद परीक्षा फीस के साथ बीईईओ या जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में 20 मई से 7 जून तक जमा कराया जा सकता है। वैसे आवेदन जो बीईईओ के पास जमा होंगे वह 20 मई से 8 जून तक जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में जमा करेगा। जमा किए गए आवेदन के आधार पर जिला शिक्षा पदाधिकारी उसका वेरिफिकेशन 20 मई से 9 जून तक करेंगे। इसके बाद एडमिट कार्ड 20 जून से डाउनलोड किया जा सकेगा। परीक्षा 25 जून रविवार को ले जाएगी। एप्लीकेशन झारखंड एकेडमिक काउंसिल की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा।

इन बातों का रखें ध्यान

इस एडमिशन टेस्ट में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन के साथ राज्य के एसटी और एससी उम्मीदवारों को एक 100 रुपये परीक्षा फीस देनी होगी। जबकि अन्य उम्मीदवारों को 200 रुपये परीक्षा फीस देने होंगे। ऑनलाइन भरे गए आवेदन का प्रिंट आउट स्कूल के प्राचार्य के सिग्नेचर और मुहर के साथ जमा करना होगा। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। आवेदन के साथ दिए गए डॉक्यूमेंट की जांच जिला शिक्षा पदाधिकारी करेंगे। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होने के बाद एप्लीकेशन झारखंड एकेडमिक काउंसिल को भेजा जाएगा। स्टूडेंट के उम्र के निर्धारण के लिए मेडिकल बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा।

परीक्षा का पैटर्न

परीक्षा दो सिटिंग में ली जाएगी पहली सिटिंग की परीक्षा सुबह 10:00 बजे से 12:30 बजे तक होगी। वहीं दूसरे सिटिंग की परीक्षा दोपहर 1:30 से 4:00 बजे तक ली जाएगी। पहली सिटिंग में गणित से 50 अंक के सवाल पूछे जाएंगे। सामाजिक अध्ययन, सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान से 50 अंक के सवाल होंगे। जिसमें इतिहास, नागरिक शास्त्र, भूगोल से 20, सामान्य ज्ञान से 10, फिजिक्स केमिस्ट्री और बायोलॉजी से 20 अंक के सवाल पूछे जाएंगे। दूसरी पाली में लैंग्वेज पेपर की परीक्षा होगी। जो 50 अंक का होगा। इसका विषय हिंदी होगा। इसके अलावा मानसिक योग्यता की परीक्षा भी ली जाएगी।

हाथियों के झुंड ने वृद्ध को कुचला, वन विभाग ने दिया 50 हजार रुपये मुआवजा

PHOTON NEWS SARAIKELA

चांडिल प्रखंड के खूंटी में जंगली हाथियों के झुंड ने रविवार सुबह शौच करने निकले एक वृद्ध को कुचलकर मार डाला। हाथियों ने एक ग्रामीण का घर भी ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वन विभाग ने मृतक के आश्रित को आर्थिक मदद सौंप दी है।

बताया गया कि ग्रामीण लीलकांत महतो (65) रविवार की अहले सुबह शौच करने के लिए जुड़िया की ओर जा रहे थे। तभी रास्ते में जंगली हाथियों ने उन्हें कुचलकर मार डाला। घटना की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य सविता मार्डी, मुखिया सुकराम माझी, समाजसेवी खगेन महतो, सेवानिवृत प्राचार्य डॉ पीसी महतो समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। जंगली हाथियों ने खूंटी गांव के ही राधा माझी के मकान को भी क्षतिग्रस्त कर घर धान को खाया और बर्बाद कर दिया। राधा माझी ने बताया कि हाथियों के झुंड ने घर पर हमला कर दिया और करीब तीन क्विंटल धान को खा लिया और बर्बाद कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि झुंड में रीब 20 से 25 की संख्या में हाथी थे। ग्रामीणों ने हल्ला मचाते हुए हाथियों को वापस जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना वन विभाग के पदाधिकारी और चौका थाना की पुलिस को दी। वन विभाग के अधिकारी और चौका थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सरायकेला भेज दिया। मौके पर ही वन विभाग की ओर से मृतक के आश्रित को तत्काल सहायता के तौर पर पचास हजार की राशि सौंपा।

घटना के बाद जुटी ग्रामीणों की भीड़। ● द फोटोन न्यूज

नर्सिंग कॉलेज में एडमिशन के लिए 16 जून तक करें ऑनलाइन आवेदन, 5 शहरों में ली जाएगी परीक्षा

RANCHI : राज्य के सरकारी और गैर सरकारी नर्सिंग संस्थानों में एकेडमिक ईयर 2023-24 में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 16 जून है। एडमिशन टेस्ट राज्य के 5 शहरों में लिया जाएगा। एडमिशन लिखित परीक्षा में प्राप्त अंक के आधार पर तैयार मेरिट लिस्ट से होगा। इस एडमिशन टेस्ट में शामिल होने के लिए जेसीईसीईबी के वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन जमा किए जा सकते हैं।

एडमिशन के लिए यह योग्यताएं निर्धारित : राज्य के नर्सिंग संस्थानों में एएनएम और जीएनएम का कोर्स कराया जाता है। दोनों के लिए कुछ योग्यताएं निर्धारित हैं। एएनएम कोर्स की बात करें तो 31 दिसंबर 2023 को एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स की उम्र 17 वर्ष न्यूनतम होनी चाहिए। अधिकतम उम्र सीमा 35 वर्ष निर्धारित है। 12वीं साइंस और आर्ट्स से करने वाले स्टूडेंट्स आवेदन कर सकते हैं। स्टूडेंट का मेडिकली फिट होना जरूरी है। ओपन स्कूलिंग से 12वीं करने वाले भी आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स के लिए केवल फीमेल कैंडिडेट ही आवेदन करेंगे।

जीएनएम कोर्स की बात करें तो 31 दिसंबर 2023 को आवेदन की उम्र न्यूनतम 17 वर्ष और अधिकतम 35 वर्ष होनी चाहिए। आवेदक ने 12वीं में एक पेपर अंग्रेजी की पढ़ाई की हो जिसमें उसे कम से कम 40 फीसदी अंक होने चाहिए।

जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र की अध्यक्षता में झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की बैठक

JHARKHAND आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ का हुआ पुनर्गठन

PHOTON NEWS DEOGHAR

झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के कुष्ठ आश्रम रोड स्थित संघ कार्यालय में संघ के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र की अध्यक्षता में रविवार को बैठक हुई। इसमें मुख्यतः स्वास्थ विभाग में आउटसोर्सिंग के तहत विभिन्न पदों पर नियुक्त दर्जनों कर्मचारियों ने हिस्सा लिया जिसमें बारी बारी से आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के समस्याओं पर चर्चा की गई ।

इसके बाद सर्वसम्मति से स्वास्थ आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ शाखा के संयोजक पद पर सुदामा शर्मा अध्यक्ष के लिए, देवांशु कुमार उपाध्यक्ष के लिए, प्रदीप टू डू और असीम कुमार सिंह सचिव के लिए , अजय कुमार रजवार संयुक्त सचिव के लिए, फाल्गुनी प्रसाद यादव, प्रणय कुमार राजहंस कोषाध्यक्ष के लिए, चंदन प्रमाणिक संघर्ष मंत्री में, रामशीष दास जिला प्रतिनिधि में, उत्पल कुमार सिंह मुकेश कुमार कार्यकारिणी के सदस्य में धनंजय कुमार ,रावत मृत्युंजय चौबे कृष्णा, यादव संदीप कुमार तथा बबलू दास का चयन किया गया।

झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र ने चयनित सभी को माला पहना कर स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। मिश्रा ने कहा कि जल्द ही नव चयनित कमेटी की मांगों के संबंध में सिविल सर्जन सहित वरीय पदाधिकारियों से पत्राचार किया जाएगा तथा बेवजह के हटाए जा रहे कर्मचारियों के लिए जरूरत होगी तो न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा ।

बैठक में उपस्थित संघ के कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

टाटानगर रेलवे स्टेशन परिसर में पार्किंग ठेकेदार पर गोलीबारी के तीनों आरोपियों ने किया सरेंडर

सरेंडर करनेवाले तीनों आरोपी। ● द फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : टाटानगर स्टेशन पार्किंग गोलीकांड में नीरज दुबे को मारने वाले तीनों अपराधियों ने रेल एसपी ऑफिस में रविवार को सरेंडर कर दिया। इस घटना के बाद से ही पुलिस तीनों की तलाश कर रही थी और इसके लिए लगातार छापेमारी हो रही थी। मिली जानकारी के अनुसार कुछ अपराधियों के परिवार वालों को भी पुलिस ने उठाया था। ऐसे में तीनों पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा था। इसी के बाद तीनों सरेंडर करने पर मजबूर हुए। विदित हो कि घटना का पूरा वाकया सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया था। जिसकी वजह से इन अपराधियों की पहचान सार्वजनिक हो गयी थी। जिन तीन अपराधियों ने सरेंडर किया है उसमें सिकंदर कुमार, आशुतोष सिंह व रोहित शर्मा शामिल है। मालूम हो कि शुक्रवार की रात टाटानगर रेलवे पार्किंग में फायरिंग की घटना हुई थी। जिसमें ठेकेदार के एजेंट को गोली मारी गयी थी। जिसकी हालत अभी खतरे से बाहर है।

एलटी मेमोरियल स्कूल में लगाया गया फ्री मेडिकल कैंप, बच्चों के स्वास्थ्य का किया गया परीक्षण

RAMGARH : गांगी यमुनी चितरपुर स्थित एलटी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में बच्चो और अभिभावकों का फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली बच्चों का स्वास्थ का परीक्षण किया गया और बच्चों के स्वास्थय को देखकर उन्हें दवाई वितरित की गई। बच्चों में होने वाली कैल्शियम और विटामिन की कमियों को पूरा करने का सुझाव दिया गया। दरअसल कैंप का संचालन बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गौतम कुमार द्वारा किया गया। जिसमें उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ साथ बच्चों की देखरेख के लिए माता पिता को भी टिप्स दिए। आजकल बच्चों में पोषक तत्व की कमी है। उन सब से रिलेटेड बच्चों और स्कूल के टीचर्स को जागरुक किया गया। उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ शारीरिक जागरूकता एवं विशेष तौर पर बच्चों को दांतों की समस्या के प्रति जागरुक रहने की सलाह दी। विद्यालय के निदेशक अमित तिवारी ने चिकित्सकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में इस प्रकार के विभिन्न कैंप विद्यालय स्तर पर आयोजित करने के लिए डॉक्टर्स का आभार जताया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य, सन्नाउल्लाह, अविनाश तिवारी सहित कई लोग मौजूद थे।

लोहरदगा में जेल अदालत लगाकर बंदियों की समस्या सुनी

LOHARDAGA : जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने लोहरदगा मंडल कारा में आज जेल अदालत-सह- विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया। इसमें एलएडीसी के अधिवक्ता उमेश कुमार, सुदामा साहू, नारायण साहू, भूपेंद्र कुमार, इंद्राणी कुजूर, जेलर सुबोध कुमार उपस्थित थे। जेल अदालत में बंदियों में बीच लीगल अवेयरनेस किया गया। साथ ही बंदियों के विभिन्न समस्याओं को सुना गया और समस्या के निराकरण का उपाय बताया गया। डालसा ने प्रदान किये गए मामलों से संबंधित बंदियों से संपर्क कर अधिवक्ताओं ने उनके केस की वस्तुस्थिति से उन्हें अवगत कराया।

हाथियों के दल ने कई गांवों में मचाया उत्पात

GIRIDIH : सदर प्रखंड के बजटो, सिन्दवरिया एवं बदगुन्दा पंचायत में 22 हाथियों के झुंड ने शनिवार देर रात जमकर उत्पात मचाया। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का दल बराकर नदी पार कर सिंदवरिया पंचायत के जेनुगुरहा गांव में घुसकर कुछ किसानों के खेत में लगे जेठूआ फसल को चट कर गया। बजटो पंचायत के सिमरिया गांव में अनिल कुशवाहा, जानकी प्रसाद वर्मा, सोमार महतो, बाबूलाल महतो, महेंद्र प्रसाद वर्मा, पार्वती देवी, रितलाल प्रसाद वर्मा, प्रमिला देवी, काजल देवी, सूर्यदेव प्रसाद वर्मा, शुकर राय, कजरी देवी, विकास प्रसाद वर्मा, अर्जुन प्रसाद वर्मा, सुरेश प्रसाद वर्मा, देवंती देवी समेत 25 किसानों के करीब आठ एकड़ में लगे तरबूज, कद्दू, मकई, करेला, बोड़ा एवं कई जेठूआ फसल को नष्ट कर दिया। इसके अलावा मनरेगा के तहत 16 एकड़ में लगे आम बागवानी की चहादीवारी एवं तार को पूरी तरह नष्ट कर दिया। किसानों ने कहा कि हाथियों ने बदगुन्दा के शादीगवारों चौराही में सोखा मांझी, श्रीमांझी, मनोज मांझी का घर तोड़ कर पूरी तरह नष्ट कर दिया। साथ ही घर में रखे सभी अनाज को भी चट कर गए। फिलहाल हाथियों का झुंड बदगुन्दा के शादीगवारों के जंगल में डटा है। वन विभाग के सागर कुमार विश्वकर्मा अपने टीम के साथ हाथियों को भगाने में लगे हुए हैं।

गिरिडीह के जमुआ में चार पीडीएस लाईसेंस निलंबित

GIRIDIH : जिले के एमओ भूपनाथ महतो के जांच प्रतिवेदन के आलोक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी गौतम भगत ने जमुआ प्रखंड के चार जनवितरण प्रणाली दुकान के संचालकों का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बताया गया कि जिन चार पीडीएस संचालकों के लाइसेंस निलम्बित किये गये हैं, उनमें हरला पंचायत के नसीर अली, मलुवाटांड पंचायत के तुला एसएचजी समूह, चिलगा पंचायत के चंडी माता एसएचजी चिरुडीह व एसचजी करिश्मा एसएचजी समूह शामिल हैं। बताया गया कि कुछ राशन कार्डधारियों ने गड़बड़ी की शिकायत की थी। शिकायत सत्य पाये जाने पर कार्रवाई की गई है। सभी डीलरों के खिलाफ कार्डधारियों ने राशन वितरण में अनियमितता बरतने समेत कई तरह की शिकायत पदाधिकारियों से की थी। कार्डधारियों के शिकायत पर सभी डीलरों से स्पष्टीकरण मांगा गया था लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनके विरुद्ध यह कार्रवाई की गई।

पाली में मंडा पूजा संपन्न, दहकते अंगारों पर चल व बनस झूला पर झूल शिवभक्तों ने दिया आस्था का परिचय

RAMGARH : भदानीनगर क्षेत्र के पाली गांव में मंडा पूजा का आयोजन हुआ। इस दौरान भगवान शिव-पार्वती का पाठ एवं विवाह को ले भगवान शिव की बारात निकाली गई। जो पूरे गांव का भ्रमण करते हुए माता पार्वती के घर पहुंची। जहां पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच गोसाईं व पाहन द्वारा विशेष पूजा-अर्चना कराई गई। अस अवसर लोटन सेवा, मंडा पूजा, फुलखुंदी, बनस झुलाई आदि धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। मंडा के अवसर पर बनस झूला पर झूल व दहकते अंगारों पर चलकर शिव भक्तों ने अपने आस्था का परिचय दिया। रविवार को मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद ने मंडा मेला का फीता काटकर उद्घाटन किया। मौके पर अंबा प्रसाद ने कहा कि मंडा पूजा झारखंड की सभ्यता व संस्कृति की पहचान है। यह हमें अपने पूर्वजों की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि भक्ति आयोजनो से क्षेत्र में हरियाली-खुशहाली का आगमन होता है। उन्होंने कहा कि जिस गांव में मंडा पूजा का आयोजन होता है वहां के आसपास का पूरा वातावरण भक्तिमय एवं भगवान भोले शंकर की आशीर्वाद से परिपूर्ण होता है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह, मुखिया रेखा देवी, योगेंद्र सिंह खरवार, जगमोहन बेदिया, प्रदीप बेदिया सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना के लिए केंद्र सरकार नहीं देगी कोई राशि, वर्ष 2015 में स्कीम हो चुकी है समाप्त

RANCHI : केंद्र सरकार अब रांची शहर में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना के लिए कोई राशि नहीं देगी। शहरी विकास के मद में झारखंड को फंड देने वाली स्कीम वर्ष 2015 बंद हो चुकी है। राज्य सरकार को अब अपने खर्च पर रांची शहर में सीवरेज-ड्रेनेज का काम कराना होगा। जवाहरलाल नेहरू अर्बन मिशन स्कीम के तहत शहरी विकास के लिए केंद्र सरकार का अंशदान 60% फीसदी राशि तथा राज्य सरकार का अंशदान 40% राशि थी। रांची के सीवरेज-ड्रेनेज प्रोजेक्ट को लेकर दायर अरविंदर सिंह देओल की जनहित याचिका पर सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। इस दौरान केंद्र सरकार के अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने कोर्ट को बताया कि मामले में केंद्र सरकार का शपथ पत्र तैयार है। दिल्ली से अधिकारी के नहीं आने के कारण शपथ पत्र दाखिल नहीं हो सका है।

मुजफ्फरपुर में सड़क हादसा दो की मौत

अज्ञात वाहन ने किसान को मारी टक्कर

मुजफ्फरपुर में शनिवार को दो सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। दोनों हादसा दो अलग-अलग क्षेत्र में घटी। जहां मृतकों में एक मजदूर और एक किसान शामिल है। पहला हादसा जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र के लोहसरी चौक के समीप हुआ। जहां सड़क दुर्घटना में एक किसान की मौत हो गई। दोनों युवक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। दोनों किसी निजी काम से बाजार जा रहे थे। इस दौरान एक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। मृतक की पहचान हथौड़ी थाने के सहिला रामपुर निवासी राजेन्द्र चौधरी के 45 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार चौधरी के रूप में हुई हैं। वहीं, दूसरा हादसा जिले के अहियापुर के पुरानी जीरोमाइल में हुआ। जहां सड़क दुर्घटना में एक मजदूर की मौत हो गई। वही दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुँची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल को इलाज के लिए SKMCH में भर्ती करवाया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मुजफ्फरपुर जिले में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, दूसरे युवक घायल हो गया। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए SKMCH भेज दिया। हादसा जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र के लोहसरी चौक के समीप हुआ। जहां दोनों युवक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। दोनों किसी निजी काम से बाजार जा रहे थे। मृतक की पहचान हथौड़ी थाने के सहिला रामपुर निवासी राजेन्द्र चौधरी के 45 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार

चौधरी के रूप में हुई हैं। मृतक खेती पर परिवार का भरण पोषण करता था। मनोज अपने निजी काम से शनिवार को शहर आया था। शाम को घर लौटने के दरम्यान लोहसरी चौक के समीप अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसका एक रिश्तेदार घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना हथौड़ी थाने की पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। मृतक अपने पिता के इकलौते संतान थे। मृतक के चार बेटी और एक बेटा है। घटना के बाद इलाके में मातम पसर गया हैं। पूरे मामले पर हथौड़ी थाना अध्यक्ष ललन सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को आवेदन देने के लिए बोला गया है। आवेदन के आधार पर आगे की कार्यवाई की जाएगी। मुजफ्फरपुर में सड़क दुर्घटना में एक मजदूर की मौत हो गई। वही दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुँची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल को इलाज के लिए एसकेएमसीएच में भर्ती करवाया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। जिले के अहियापुर के पुरानी जीरोमाइल में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद घायल आधे घंटे तक छटपटाता रहा। लगभग आधे घंटे बाद उधर से गुजर रहे राहगीरों ने उसे एसकेएमसीएच में भर्ती कराया। एसकेएमसीएच में घायल युवक की हालत नाजुक बनी हुई है।बता दें कि शनिवार की देर रात जीरोमाइल से दोनों किराना दुकान से काम कर एक साथ घर लौट रहा थे। उसी दौरान जीरोमाइल की तरफ से आ रही अनियंत्रित पिकअप ने ठोकर मार दिया। मौके से ड्राइवर पिकअप ले कर फरार हो गया। मृतक साइकल चला रहा था, और घायल उसके पीछे बैठा हुआ था।

फायरिंग के दौरान अटकी राइफल गलती से चली युवक की मौत

छपरा में शादी में हर्ष फायरिंग करना युवक को महंगा पड़ गया। अपनी ही गन से चली गोली का वो शिकार हो गया और उसकी मौत हो गई। युवक बारात में लाइसेंसी राइफल से फायरिंग कर रहा था। इसी दौरान राइफल फंस गई। उसे ठीक करने में गोली चल गई। गोली उसके हाथ को छेदते हुए प्राइवेट पार्ट में लग गई। मामला जलालपुर थाना क्षेत्र के सर्विस सरेया गांव का है। मृतक की पहचान बनियापुर थाना के रजौली गांव निवासी रमेश यादव (35) पिता सुधीर यादव के रूप में की गई है। गोली लगते ही शादी में भगदड़ मच गई।

आनन फानन में घायल युवक को लेकर दूसरे बाराती छपरा सदर अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन बिना पोस्टमॉर्टम कराए ही शव लेकर चले गए। ग्रामीणों ने कहा कि बनियापुर के रजौली निवासी सोनू यादव की बारात जलालपुर थाना क्षेत्र के सर्विस सरेया गांव निवासी राजकिशोर यादव के घर आई हुई थी। बारात में जयमाला के दौरान बाराती पक्ष की ओर से हर्ष फायरिंग की गई। इसी दौरान राइफल में गोली फंस गई। जिसे निकालने के दौरान फायर हो गया और रमेश के हाथ को छेदते हुए गोली उसके प्राइवेट पार्ट में लग गई। जलालपुर थाना प्रभारी पिंटू कुमार ने कहा कि थाना क्षेत्र के सर्विस सरेया में बारात के दौरान हर्ष फायरिंग में एक युवक को गोली लगी है। जिसमें युवक की मौत हो गई है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं की जांच कर रही है। हथियार को बरामद करने की कोशिश की जा रही है।

भोजपुर में सड़क हादसा, एक की मौत

भोजपुर में शनिवार रात बेलगाम ट्रक ने दो बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में एक किशोरी की मौत हो गई। वहीं, 3 अन्य लोग घायल हो गए। किशोरी अपने घर वालों के साथ मौसी की शादी में जा रही थी। हादसा जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के बबुरा पेट्रोल पंप के समीप हुआ। वहीं, बड़हरा थाना के गश्ती में रहे एसआई द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज कराया जा रहा। जानकारी के अनुसार मृत किशोरी पटना जिला के मनेर थाना क्षेत्र के हुलासी टोला गांव निवासी कुणाल राय की 11 वर्षीय पुत्री आरती कुमारी है। जबकि जख्मियों में बाइक सवार पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के पथलौटिया गांव निवासी लखन देव राय का 17 वर्षीय पुत्र व मृत किशोरी का मामा उपेंद्र कुमार एवं दूसरे बाइक पर सवार चांदी थाना क्षेत्र के भदवर गांव निवासी संतोष कुमार का 21 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार और पथलौटिया गांव निवासी छत्रबलि राय की 8 वर्षीय पुत्री प्रिती कुमारी शामिल है। इधर,मृत किशोरी के नाना लखन देव राय ने बताया कि उनकी बेटी चंदा कुमारी का तिलक बड़हरा थाना क्षेत्र के बिन्दगावां गांव जा रहा था उसी तिलक में शामिल होने के लिए एक बाइक पर उनका पुत्र उपेंद्र कुमार अपनी भांजी आरती कुमारी के साथ सवार था। जबकि दूसरे बाइक पर पंकज कुमार एवं प्रीति कुमारी सवार थे और सभी पथलौटिया गांव से बिन्दगावां गांव जा रहे थे। उसी दौरान बबुरा पेट्रोल पंप के समीप पीछे से आ रही बेलगाम ट्रक ने उन दोनों की बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उपेंद्र के बाइक पर बैठी उसकी भांजी आरती कुमारी की मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा उपेंद्र एवं दूसरे बाइक पर सवार पंकज कुमार एवं प्रीति भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए । जिसके बाद उन्हें बड़हरा थाना पुलिस द्वारा आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृत किशोरी अपने दो बहन व दो भाई में बड़ी थी। मृत किशोरी के पिता कुणाल राय प्राइवेट काम करते हैं। मृत किशोरी के परिवार में मां मानता देवी दो भाई राजा बाबू ,भुलान एवं एक बहन प्रीति है।

नालंदा में अब मॉर्निंग शिफ्ट में चलेगा कोर्ट

नालंदा के न्यायालयों में अब एक बार फिर से कार्य अवधि में परिवर्तन किया गया। पिछले 26 अप्रैल को निर्गत नोटिस के अनुसार ग्रीष्मकालीन न्यायालय भी पूर्व की तरह 10 बजे से 5 बजे तक चल रहा था। जिसका अधिवक्ताओं ने विरोध किया था। बाद में पटना उच्च न्यायालय ने संबंधित जिला न्यायालय को यह आदेश दिया था कि वे अपने-अपने जिला के न्यायालयों की कार्य अवधि में बदलाव कर सकते हैं। इस आलोक में जिला सत्र न्यायाधीश हसमुद्दीन अंसारी ने आदेश निर्गत किया कि अब न्यायालय 22 मई से 24 जून तक मॉर्निंग शिफ्ट में चलेगा। सुबह 7:30 बजे से न्यायालय का काम शुरू हो जाएगा जो 10 बजे तक चलेगा। 10 से 10:30 भोजनावकाश रहेगा। 10:30 बजे से न्यायालय की प्रक्रिया शुरू होगी जो 1 बजे तक चलेगी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जिले के अलग-अलग 85 न्यायालयों की समयावधि तय की है।

बिहार में आज तपती धूप कल से हो सकती है बारिश

बिहार के ज्यादातर जिलों में शनिवार को मौसम सामान्य रहा। 13 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे में भी मौसम में ज्यादा बदलाव नहीं देखने को मिलेगा। लोगों को गर्मी और धूप से राहत नहीं मिलेगी। हालांकि, सोमवार यानी 22 मई से राज्य में मौसम का मिजाज बदलेगा और लोगों को राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 22 से 24 मई तक तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना है। 22 मई को 14 जिले, 23 को 19 जिले और 24 मई को राज्य के सभी जिलों में तेज हवा के साथ बारिश और आकाशीय बिजली के लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में वाल्मीकि नगर, वैशाली,

छपरा बारिश

और बेगूसराय को छोड़कर सभी जिलों के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य के 13 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के वैज्ञानिक आशीष कुमार ने बताया कि सोमवार से मौसम बदलेगा। अगले 3 दिनों तक उत्तर बिहार के एक से दो जिलों में हल्की की संभावना है। चौथे और पांचवें दिन उत्तरी बिहार में भारी बारिश के आसार है। उन्होंने कहा कि अगले 24 घंटे के दौरान तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। इसके बाद अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जाएगी। पटना मौसम विभाग के मुताबिक 21 मई तक मौसम में उतार-चढ़ाव दिखेगा। लेकिन, 22 मई से राज्य कई जिलों में बारिश होगी। इससे लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलेगी। शनिवार को राज्य के 13 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। औरंगाबाद दूसरे दिन भी सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही पटना का 41.8 डिग्री, गया का 42.6 डिग्री, भागलपुर का 40.3 डिग्री, रोहतास का 42.4 डिग्री, शेखपुरा का 41.8 डिग्री, जमुई का 40.9 डिग्री, भोजपुर का 42.4 डिग्री, खगड़िया का 40.6 डिग्री, बांका का 40 डिग्री, नवादा का 42 डिग्री, नालंदा का 41.2 डिग्री और सिवान का 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मोतियाबिंद के कारण बाघ नहीं कर पाया शिकार

बेतिया में जंगल से भटककर घर में घुसा था

वीटीआर के जंगल से भटक कर गांव पहुंचे बाघ को मोतियाबिंद है। उसकी दाहिनी आंख में मोतियाबिंद हो गया है। माना जा रहा है इसी वजह से वो शनिवार को शिकार नहीं कर पाया,क्योंकि उसे देखने में परेशानी हो रही है। अब राजगीर में उसका इलाज होगा। बता दें कि शनिवार को बेतिया के गौनाहा प्रखंड के रूपवालिया गांव में सुबह-सुबह बाघ भटक कर एक घर में घुस गया था। यहां उसने एक महिला पर हमला तो किया, लेकिन वो बच गई। जबकि घर में तीन बच्चे थे, जिन पर वो हमला नहीं कर सका। बाघ घर के लकड़ियों के ढेर के बीच छिपा बैठा था। मांगुराहा वन क्षेत्र के नयाटोला से उसे रेस्क्यू किया गया था। वन निदेशक नेशामनी ने बताया कि रेस्क्यू के बाद डॉक्टरों की जांच में बाघ की बीमारी का खुलासा हुआ। निदेशक सह संरक्षण ने बताया कि सुरक्षित जगह की तलाश में टाइगर जंगल से भटक कर रिहायशी इलाके में पहुंच गया होगा। उसे पटना भेजा गया था। वहां से मोतियाबिंद की इलाज के लिए उसे राजगीर भेजा जाएगा। इलाज के बाद निर्णय लिया जाएगा कि उसे कहां रखा जाएगा। डीएफओ प्रदूम्न गौरव ने बताया कि बाघ को फुल सिक्योरिटी और ग्रीन कॉरिडोर बना कर राजगीर भेजा गया है। शनिवार को उसके रेस्क्यू के लिए वन मंत्रालय की ओर से तीन

जिले की पुलिस व वन विभाग के अधिकारियों का सुरक्षा घेरा तैयार किया गया था। बेतिया, मोतिहारी व मुज्जफरपुर पुलिस के साथ वन विभाग के अधिकारी व वनकर्मी उसकी सुरक्षा में शामिल थे। शनिवार की सुबह बाघ रूपवालिया गांव में कमलेश उरांव के घर में बाघ घुस गया था। यहां सुबह करीब 5 बजे बाघ घर में घुस गया और महिला पर हमला किया। महिला ने भागकर अपनी जान बचा ली, लेकिन घर में तीन बच्चे भी मौजूद थे। वन विभाग की टीम को इसकी सूचना दी गई। सबसे पहले स्थानीय लोगों और वन विभाग की टीम की मदद से बच्चों को घर से बाहर निकाला गया। इसके बाद पूरे घर को जाल से घेरा गया। 60 से ज्यादा कर्मचारियों की मदद से बाघ को 7 घंटे में रेस्क्यू कर लिया गया। डीएफओ प्रद्युमन गौरव ने बताया कि सुबह 5 बजे के करीब जानकारी मिली थी कि एक घर में टाइगर घुस गया है। इसके बाद मंगुराहा रेंज अफसर और हमारी रैपिड रिस्पॉन्स टीम मौके पर पहुंची। पता चला कि वहां एक मिट्टी के घर में बाघ छिपा हुआ था। वहां 3 बच्चे भी थे, उन्हें ग्रामीणों की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद हमने पूरे घर को नेट और कपड़े से चारों तरफ से घेर दिया। पहले हमने कोशिश की कि एक रास्ता खोल कर टाइगर को जंगल की तरफ जाने दिया जाए। जंगल यहां से एक किमी की दूरी पर है, लेकिन करीब 2 घंटों की मशक्कत के बाद भी वह नहीं निकला। लकड़ी के एक ढेर के नीचे जाकर बैठ गया। इस वक्त तक दिन चढ़ गया था, तब उसे खुले में निकलने देना आम लोगों के लिए खतरनाक हो सकता था। इसके बाद हमारी वेटनरी टीम और डॉक्टरों ने उसे ट्रैंकुलाइज करने का निर्णय लिया। 11:50 बजे के करीब उसे ट्रैंकुलाइज किया गया। फिर उसे यहां मंगुराहा ले आए हैं। अभी उसका मेडिकल एसेसमेंट किया जा रहा है। आईडी की जांच हो रही है।

संक्षिप्त -समाचार

औरंगाबाद में सड़क हादसे में 4 घायल

औरंगाबाद में सड़क हादसे मे चार लोग घायल हो गए। घटना रिसियप थाना क्षेत्र के बभंडी के पास की है, जहां दो तेज रफ्तार बाइकों के बीच टक्कर हो गई। घायलों में झारखंड के हैदरनगर निवासी सतीश कुमार, संजय कुमार, रिसियप थाना के बभंडी निवासी रोहित कुमार और माली थाना क्षेत्र के फुलडीहा निवासी दीपक कुमार शामिल हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो युवकों को गंभीर हालत में रेफर कर दिया गया। सतीश और संजय शहर के सीमेंट प्लांट में काम करता था, लेकिन दोनों एक महीने पहले काम छोड़ दिया था। शनिवार को अपना सामान लेने सीमेंट प्लांट गया था, जहां से सामान लेकर वापस घर लौट रहा था। जैसे ही दोनों बाइक से बभंडी समीप पहुंचे कि सामने से आ रही बाइक में टक्कर हो गई। दोनों बाइक पर सवार चारों युवक जख्मी हो गए। बाइक की टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और सभी जख्मियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। वहीं घटना की जानकारी परिजनों को भी दे दी गई है।

भागलपुर में वाहन चोरों का उत्पात

भागलपुर में बाइक चोरी की मामले लगातार सामने आते रहते हैं। हालांकि पुलिस प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष बाइक चोरी में कमियां हुई है। बीते वर्ष 2022 के दिसंबर महीने तक 450 से ज्यादा गाडियां चोरी हुई। वहीं इस वर्ष मार्च महीने तक 100 से अधिक गाडियां चोरी हो चुकीं है। गौरतलब हो की कुछ थाने ऐसे भी हैं जो इस सूची में अव्वल हैं। बाइक चोरी के अधिकांश मामले कोतवाली, जोगसर, इशाकचक, तिलकामांझी ततारपुर और विश्वविद्यालय थाने में दर्ज हैं। बाइक चोरी की घटनाएं अक्सर भीड़भाड़ वाले इलाके में हो रही है। ज्यादातर मामले कोर्ट परिसर के बाहर सुजागंज बाजार, सब्जी मार्केट, हटिया रोड, और सुनसान लालू चौक, भट्टा रोड की तरफ चोरी की घटना अक्सर होती रहती है। वहीं जिले के सैंडिस कंपाउंड में पार्किंग की व्यवस्था और गार्ड की मौजूदगी में भी बाइक चोरी हुई है। कई मामलों में मोटरसाइकिल मालिक अपने वाहन का बीमा कराएं होते हैं, जिस कारण बाइक मालिक को बीमा की राशि मिल जाती है। जबकि बिना बीमा कराने वाले मालिकों को काफी परेशानी होती है। इस मामले में सीटी एसपी ने अमित आनंद ने कहा की, पहली क्राइम मीटिंग में ही बाइक चोरी के मामले में अनुसंधान को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बाइक चोरी के सक्रिय गिरोह का पता लगाकर चोरी में संलिप्त सदस्यों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द की जाएगी। साथ ही कहा कि उनके आते ही 17 चोरी की हुई बाइक की रिकवरी की गई। इससे पूर्व में भी जितनी चोरियां हुई हैं, शातिर के ठिकानों को चिन्हित कर हॉटस्पॉट बनाया जाएगा और रिकवरी के लिए छापेमारी की जाएगी।

पटना के एक सोफा कारखाने में लगी भीषण आग

पटना के मछुवा टोली इलाके में सोफा के कारखाने में रात 10 बजे भीषण आग लग गई। जिसकी वजह से दुकान का लकड़ी का पूरा सामान जलकर राख हो गया। इससे दुकानदार को लाखों का नुकसान हुआ है। इस आग को बुझाने में घटनास्थल पर दमकल की 4 गाड़ियां पहुंची। मछुआ टोली इलाके में स्थित 3 फीट गली से 100 मीटर भीतर चलकर यह दुकान है। इसके आस पास के घरों में भी आग से दरारें पर गई है। आग लगने की सही वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि शार्ट सर्किट की वजह से यह आग लगी है। आग इतनी बढ़ गई थी कि इसे बुझाने के लिए चार दमकल की गाड़ियों को 2 घंटे से भी ज्यादा समय लग गए। हालांकि अब आग पर पूरी तरीके से काबू पा लिया गया है। लेकिन दुकान का सारा सामान जलकर राख हो गया है। स्थानीय राकेश कुमार ने बताया कि करीब रात के 10 बजे अचानक आग की लपटें उठने लगी और धुआं निकलने लगा जिसे देखकर हमें पता चला कि यहां आग लग गई है। दमकल की गाड़ी समय पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। लेकिन आग इतनी तेज थी की थोड़ी ही देर में सारा सामान जल गया। आग पर काबू तो पा लिया गया है लेकिन धुआं अभी भी निकल रहा है। अब सुबह ही पता चल पाएगा की इस आग से क्या और कितना नुकसान हुआ है?

बहन की शादी में पैस खर्च करने से था नाराज

बेतिया में बेटे राजन (20) ने अपने ही पिता रामा पंडित (65) की ईंट-पत्थर से कूचकर हत्या कर दी। मृतक की पत्नी कलावती देवी का कहना है कि राजन की शादी 2016 में हुई थी। शादी के बाद से ही वह अपने ससुराल में ही रहता है। वह अपने सास-ससुर की बातों में आकर अक्सर हमलोगों के साथ मारपीट करता है। हमारी तीन बेटियां है। दूसरी बेटी की शादी 15 मई को हुई है, जिसके बाद राजन यह कहकर मारपीट कर रहा था कि बहन की शादी में ज्यादा पैसे क्यों खर्च किए। पूरा मामला जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र मोहछी शुगर की है। वहीं मौके पर पहुंची गोपालपुर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बेतिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। मृतक की पत्नी का आरोप है कि राजन (20) ने अपने सास, ससुर और अन्य साथियों के साथ मिलकर शनिवार देर रात उनके पति रामा पंडित की ईंट-पत्थर से कूचकर हत्या कर दी है। एक-दो दिन से आरोपी बेटा यह कहकर मारपीट कर रहा कि बेटी की शादी में ज्यादा पैसे खर्च क्यों किए, जिसके बाद वह देर रात अपने सास-ससुर के साथ मिलकर मेरे पति की हत्या कर दी। मृतक की सबसे छोटी बेटी चंदा ने कहा कि उनका भाई राजन अपने ससुराल में रहता है। ससुर तुलसी पंडित के कहने पर कई बार पिता की हत्या की कोशिश भी कर चुका था, लेकिन हर बार वह विफल हो जाता था। कल शाम को आरोपी बेटा राजन घर आया और खाना खाकर सो गया। जब सब सो गए तो रात 2 बजे के करीब राजन ने पिता की हत्या कर दी। गोपालपुर थाना अध्यक्ष राजरूप राय ने कहा कि इकलौते पुत्र राजन पर अपने पिता की हत्या का आरोप लगाया गया है। मृतक के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बेतिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

आपसी समझदारी बने

केंद्रीय मंत्रिमंडल में गुरुवार सुबह किए गए एक संक्षिप्त बदलाव के कारण किरेन रिजिजू को कानून मंत्री का अपना पद गंवाना पड़ा। उन्हें अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण माने जाने वाले भू-विज्ञान मंत्रालय में भेज दिया गया। उनकी जगह अर्जुन राम मेघवाल को राज्य मंत्री के रूप में कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। इस घटनाक्रम को कई वजहों से चौंकाने वाला माना जा रहा है। हाल के वर्षों में यह पहला मौका है, जब कानून मंत्री कैबिनेट रैंक के नहीं होंगे। किरेन रिजिजू सरकार के सबसे हाई प्रोफाइल मंत्रियों में गिने जाते थे। अचानक हुए इस बदलाव की कोई वजह नहीं बताई गई है, लेकिन जिस पृष्ठभूमि में ये बदलाव सामने आए हैं ,उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। कानून मंत्री के रूप में किरेन रिजिजू का कार्यकाल न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच असामान्य टकराव और तनाव के लिए याद रखा जाएगा। जजों की नियुक्ति और ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच मतभेद होना और कभी-कभी इनका गंभीर रूप ले लेना भी कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। ऐसा अतीत में होता रहा है, लेकिन ये मामले समझदारी से सुलझाए भी जाते रहे हैं। इस बार न केवल जजों की नियुक्ति से जुड़े मतभेद नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर इन दोनों संस्थानों के परस्पर विरोधी स्टैंड से जुड़ गए बल्कि कानून मंत्री के असामान्य रूप से कड़े बयानों के कारण स्थिति ज्यादा जटिल हो गई। मामले की जड़ में था कलीजियम सिस्टम जिसे केंद्र सरकार समाप्त करना चाहती थी। 2014 में सरकार नैशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट्स कमिशन एक्ट (एनजेएसी एक्ट) भी लाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बता कर निरस्त कर दिया था। उसके बाद से ही न्यायपालिका को ऐसा लग रहा था कि कलीजियम की ओर से भेजे जाने वाले नामों को स्वीकार करने में कार्यपालिका बेरुखी दिखा रही है। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि कलीजियम सिस्टम के जरिए जजों की जजों द्वारा नियुक्ति का चलन ठीक नहीं है और इसमें बदलाव किया जाना चाहिए। ये बातें अलग-अलग मौकों पर सार्वजनिक भी की जाती थीं, लेकिन रिजिजू के कार्यकाल में ये अप्रत्याशित रूप से बढ़ गईं। न केवल सुप्रीम कोर्ट ने कलीजियम की सिफारिशों पर अमल में देरी को गंभीर मसला बताते हुए कड़ी प्रशासनिक और न्यायिक कार्रवाई की चेतावनी दी बल्कि कानून मंत्री ने उस पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां तक कह दिया कि कोई किसी कोई को धमकी नहीं दे सकता। उन्होंने एक अलग मौके पर यह भी कहा कि देश संविधान से बाहर की कोई व्यवस्था सिर्फ इसलिए नहीं स्वीकार कर लेगा कि वह फैसला कुछ जजों द्वारा लिया गया है। उम्मीद की जाए कि ऐसे सख्त बयानों से न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच बना तनाव अब धीरे-धीरे कम होगा और ठंडे माहौल में गंभीरता के साथ उन मतभेदों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी जो दोनों संस्थानों के बीच उभर आए हैं।

हिरोशिमा में जी-7 सम्मेलन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को छह दिनों की विदेश यात्रा पर रवाना हो गए। इस दौरान वह तीन देश जाएंगे और तीन बहुपक्षीय सम्मेलनों में शामिल होंगे। वहीं वह 40 से ज्यादा कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। दो दर्जन से ज्यादा वैश्विक नेताओं से उनकी मुलाकात होगी और इनमें से कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी होगी। जापान में जी-7 के शिखर सम्मेलन और पापुआ न्यू गिनी में त्रक्चढ्ढक्क (फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कोऑपरेशन) के तीसरे सम्मेलन से जुड़े कार्यक्रमों में तो कोई फेरबदल नहीं हुआ, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तावित क्वॉड देशों की बैठक जरूर आखिरी पलों में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के न आ पाने के कारण टाल दी गई। अमेरिका में डेट सीलिंग यानी कर्ज की सीमा बढ़ाने को लेकर विधायिका के साथ बना गतिरोध दूर करने के लिए प्रस्तावित बातचीत की वजह से बाइडेन ने क्वॉड बैठक में शामिल होने में असमर्थता जता दी थी। चूंकि क्वॉड के चारों सदस्य देश (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) जी-7 बैठक में भी शामिल होंगे। इसलिए कोशिश यह की जा रही है कि हिरोशिमा में ही क्वॉड की बैठक भी हो जाए। हालांकि क्वॉड की बैठक टलने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा को प्रभावित नहीं होने दिया। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के गाढ़े होने का यह भी एक संकेत माना जा सकता है। पापुआ न्यू गिनी की उनकी यात्रा इस मायने में रेखांकित करने लायक है कि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की उस द्वीपीय राष्ट्र की पहली ही यात्रा है। इससे संबंधों का एक नया सिलसिला शुरू होने की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदा यात्रा के दौरान सबकी नजरें हिरोशिमा में होने वाली जी-7 बैठक पर ही रहेगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी की शिरकत इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि अभी जी-20 की अध्यक्षता भी भारत के पास ही है। जापान ने भी इस तथ्य को रेखांकित करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे जी-7 और जी-20 के बीच तालमेल बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। मगर बदलते वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है कि खुद जी-7 की स्थिति में, उसकी शक्ति और प्रभाव में भी काफी बदलाव आया है।

मोदी बने जी-20 और जी-7 सहयोग के सूत्रधार

ANALYSIS

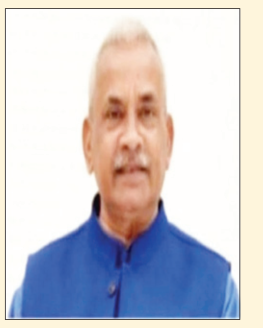

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अपनी विदेश नीति में भारतीय संस्कृति का भी समावेश किया है। इसमें सर्वे भवन्तु सुखिन: की कामना है। विश्व शांति का सपना केवल भारतीय चिंतन के माध्यम से ही साकार हो सकता है। नरेंद्र मोदी ने इसी चिंतन का उद्घोष जी-20 में भी किया है। अन्य देशों की सभ्यताओं के लिए यह विचार दुर्लभ है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के प्रति वैश्विक दृष्टि में परिवर्तन आ चुका है । आज भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद और वैश्विक निर्धनता के विभिन्न पक्षों पर मोदी के सुझाव समाधान करने वाले हैं। ह्यसर्वे भवन्तु सुखिन:, वसुधैव कुटुम्बकम भारतीय दर्शन एवं भारतीय जीवन दृष्टि का प्राण तत्व है। भारतीय दृष्टि धरित्री को भूगोल मानने तक सीमित नहीं है। अपितु यह इसे मां के सदृश मानती है। सी दृष्टि से भारत की जी-20 की अध्यक्षता को लिया गया। पूर्व में आर्थिक रूप से संपन्न रहे भारत की तस्वीर को वापस लाना होगा। आज मानवता के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश नीति का नया अध्याय लिखा है। उन्होंने विश्व शांति और सौहार्द का प्रभावी संदेश दिया है। यही कारण है कि विकसित देश भी भारत की बढ़ती भूमिका को स्वीकार कर रहे हैं। वैश्विक सम्मेलन में सर्वाधिक आकर्षण मोदी के प्रति होता है। ऐसा जापान के हिरोशिमा में भी हुआ। भारत जी-20 का अध्यक्ष है। मोदी दोनों संगठनों के बीच सहयोग के सूत्रधार बने हैं। उन्होंने कहा कि जी-20 और जी-7 के बीच एक महत्वपूर्ण लिंक बनाया जा सकता है। नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में खाद्य, स्वास्थ्य और विकास से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए दस सूत्री कार्ययोजना का आह्वान किया है। सुझाव दिया कि वैश्विक नेताओं को ऐसी समावेशी खाद्य प्रणाली विकसित करनी चाहिए जिससे गरीब किसानों सहित सबसे कमजोर लोगों की रक्षा की जा सके। पोषण और पर्यावरण के हित में मोटे अनाज के उपयोग होना चाहिए। स्वास्थ्य सेवाएं विकसित करने के लिए डिजिटल व्यवस्था बढ़ाना आवश्यक है। विकासशील देशों की जरूरतों से प्रेरित विकास मॉडल होना चाहिए। परस्पर सहयोग से स्वास्थ्य सेवा,आरोग्य तथा खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण है।

बड़ी बात यह है कि भारत जी-7 समूह का हिस्सा नहीं है। फिर भी भारत को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी लगातार चौथी बार जी-7 में शामिल हुए। जी-7 दुनिया की सात सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है। इसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका

शामिल हैं, जी-7 समूह की स्थापना 1973 में की गई थी। इसका किसी भी देश में मुख्यालय नहीं है। यह ग्रुप मानवीय मूल्यों की रक्षा, लोकतंत्र की रक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा, अंतरराष्ट्रीय शांति का समर्थक, समृद्धि और सतत विकास के सिद्धांत पर चलता है। वस्तुतः नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जी-20 को नई दिशा मिल रही है। जी-7 के सदस्य भी भारत की इस भूमिका से प्रभावित है। नरेन्द्र मोदी की क्षमताओं का वह लाभ उठाना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी पर दुनिया को विश्वास है।

नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अपनी विदेश नीति में भारतीय संस्कृति का भी समावेश किया है। इसमें सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना है। विश्व शांति का सपना केवल भारतीय चिंतन के माध्यम से ही साकार हो सकता है। नरेन्द्र मोदी ने इसी चिंतन का उद्घोष जी-20 में भी किया है। अन्य देशों की सभ्यताओं के लिए यह विचार दुर्लभ है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के प्रति वैश्विक दृष्टि में परिवर्तन आ चुका है । आज भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद और वैश्विक निर्धनता के विभिन्न पक्षों पर मोदी के सुझाव समाधान करने वाले हैं। ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम भारतीय दर्शन एवं भारतीय जीवन दृष्टि का प्राण तत्व है । भारतीय दृष्टि धरित्री को भूगोल मानने तक सीमित नहीं है। अपितु यह इसे मां के सदृश मानती है।

इसी दृष्टि से भारत की जी-20 की अध्यक्षता को लिया गया। पूर्व में आर्थिक रूप से संपन्न रहे भारत की तस्वीर को वापस लाना होगा। आज मानवता के कल्याण के लिए भारत के पास एक सशक्त नेतृत्व है जिसने नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र से लेकर आर्थिक विकास एवं सामरिक हितों को सशक्त किया है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपना विकास कर रहा, अपितु वसुधैव कुटुंबकम की भावना के अनुरूप संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानते हुए सबके साथ सहयोग-भाव लेकर भी चल रहा है। किसी वैश्विक संगठन ने पहली बार भारतीय सूक्ति को अपना ध्येय वाक्य बनाया है। वस्तुतः यह भारतीय चिंतन के बढ़ते प्रभाव और लोकधर्म की प्रतिध्वनि है। इसे विश्व सहजता से स्वीकार कर रहा है। लोगों को धीरे-धीरे यह समझ में आ रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान भारतीय चिंतन के माध्यम से किया जा सकता है। विश्व गुरु भारत ने सम्पूर्ण मानवता के लिए वसुधैव कुटुम्बकम का विचार दिया था। किसी अन्य सभ्यता संस्कृति के लिए यह दुर्लभ चिंतन था। इसमें सभ्यताओं के बीच संघर्ष की कोई संभावना नहीं थी। लेकिन कालान्तर में ऐसे संघर्ष का दौर भी चला। दुनिया में शांति और सौहार्द की अभिलाषा रखने वालों को भारतीय विरासत में ही समाधान दिखाई दे रहा है। अन्य कोई विकल्प है भी नहीं। यह विषय दुनिया को युद्ध मुक्त करने तक ही सीमित नहीं है। भारत ने पृथ्वी सूक्ति के माध्यम से मानवता को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का भी संदेश दिया। कोरोना काल में भारतीय जीवन-शैली और आयुर्वेदिक को दुनिया में पुनः प्रतिष्ठित किया है। उस समय अपने को विकसित समझने वाले देश भी लाचार हो गए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व कल्याण के दृष्टिगत दुनिया को भारतीय विरासत से परिचित करा रहे हैं। उनके प्रयासों से अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग प्रत्येक व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य हेतु बहुत उपयोगी है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ऐसे मानवीय तथ्यों को दुनिया में स्थापित कर रहा है। विगत नौ वर्षों के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ा है। जी-20 में भी भारत के विचारों को बहुत महत्व मिलने लगा है। कुछ वर्ष पहले तक यह कल्पना भी मुश्किल थी कि भारत इस संगठन का अध्यक्ष बनेगा। आज यह सहज रूप में सम्भव हुआ है। नरेन्द्र मोदी ने इसे भारत के लिए एक बड़ा अवसर माना है। इसके माध्यम से वह विश्व कल्याण के तथ्यों लोगों को अवगत करा रहे हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन का लोगो अपने में एक विचार को अभिव्यक्त करने वाला है। नरेन्द्र मोदी ने भारत की मेजबानी में अगले वर्ष आयोजित होने वाली जी -20 शिखर वार्ता का प्रतीक चिह्न, ध्येय वाक्य और वेबसाइट का अनावरण किया था। जी-20 के प्रतीक चिह्न में सात पंखुड़ियों वाले कमल के फूल पर गोलाकार विश्व स्थित है। इसके नीचे भारतीय संस्कृति का प्रसिद्ध ध्येय वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम अंकित है। साथ ही वन अर्थ,वन फैमिली और वन फ्यूचर को स्थान दिया गया है। मोदी ने कहा कि इस लोगो और थीम के माध्यम से एक संदेश दिया गया है। हिंसा के प्रतिरोध में महात्मा गांधी के जो समाधान हैं। जी-20 के जरिए भारत उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊर्जा दे रहा है। नरेंद्र मोदी ने संयुक्तराष्ट्र महासभा में भी कहा था कि भारत युद्ध नहीं बुद्ध का देश है। प्रतीक चिह्न में कमल का फूल भारत की पौराणिक धरोहर, हमारी आस्था और हमारी बौद्धिकता को चित्रित करता है। प्रतीक चिह्न के कमल की सात पंखुड़ियां दुनिया के सात महाद्वीपों और संगीत के सात स्वरों का प्रतिनिधित्व करती हैं। प्रतीक चिह्न इस आशा को जगाता है कि दुनिया एक साथ आगे बढ़ेगी। प्रतीक चिह्न में कमल आज की विपरीत परिस्थितयों में आशा जगाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

क्यों कोई जैव विविधता को बचाए ?

हमारे पृथ्वी ग्रह पर जीवन संतुलन को बनाए रखने के लिए बायोडायवर्सिटी अर्थात जैव विविधता बहुत आवश्यक है। यह पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं की आधारशिला है। दुनिया भर में रहने वाले लगभग आठ अरब लोग लगातार धरती की धरोहर का उपभोग कर रहे हैं। जब हम बायोडाइवर्सिटी की बात करते हैं तब हमारा इशारा, धरती पर मौजूद तमाम जीवों और जैवप्रणालियों की जीवविज्ञानी (बायोलॉजिकल) और आनुवंशिक (जेनेटिक) विविधता से होता है। जैव विविधता के अन्तर्गत जीवित जीवधारियों पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों के अलावा फफूंद और मिट्टी में मिलने वाले सूक्ष्मजीवी बैक्टीरिया भी शामिल हैं। वे पूरी दुनिया की उन तमाम व्यापक इको प्रणालियों का हिस्सा हैं जो बफीर्ले अंटार्कटिक, ट्रॉपिकल वर्षावनों, सहारा रेगिस्तान, मैंग्रोव वेटलैंड, मध्य यूरोप के पुराने बीच वनों और समुद्री और तटीय इलाकों की विविधता से भरा है। ये बायोडायवर्सिटी जीने लायक चीजें मुहैया कराती हैं जैसे कि पानी, भोजन, साफ हवा और दवा, सामूहिक रूप से इन्हें इको सिस्टम सेवाएं कहा जाता है। और वे प्रजातियों की विविधता की पारस्परिकता पर भी निर्भर होती हैं। अगर कोई एक प्रजाति खत्म हो जाती है तो प्रकृति-प्रदत्त ये सेवाएं भी हमेशा के लिए गायब हो सकती हैं। दुनिया में कुल कितनी प्रजातियां हैं, इस पर बहुत सारे विरोधाभास हैं , लेकिन द इंटरगवर्नमेंटल साइंस-पॉलिसी प्लेटफॉर्म ऑन बायोडाइवर्सिटी ऐंड इको सिस्टम सर्विसेज- आईपीबीईएस के अनुसार इनकी संख्या 30 लाख से 10 करोड़ के बीच है। विश्व में 14,35,662 प्रजातियों की पहचान की गई है। यद्यपि बहुत सी प्रजातियों की पहचान अभी भी होना बाकी है। पहचानी गई मुख्य प्रजातियों में 7,51,000 प्रजातियां कीटों की, 2,48,000 पौधों की, 2,81,000 जन्तुओं की, 68,000 कवकों की, 26,000 शैवालों की, 4,800 जीवाणुओं की तथा 1,000 विषाणुओं की हैं। पारितंत्रों के क्षय के कारण लगभग 27,000 प्रजातियां प्रतिवर्ष विलुप्त हो रही हैं। इनमें से ज्यादातर ऊष्ण कटिबंधीय छोटे जीव हैं। हर 10 मिनट में औसतन एक प्रजाति खत्म हो रही है। जब कोई प्रजाति इको सिस्टम से गायब हो जाती है तो प्रकृति का संतुलन धीरे धीरे बिखरने लगता है। शोधकताओं के मुताबिक, हम लोग दुनिया की छठी सामूहिक विलुप्ति के बीचो-बीच पहुंच गए हैं। अगर जैव विविधता क्षरण की वर्तमान दर कायम रही तो विश्व की एक चौथाई प्रजातियों का अस्तित्व सन 2050 तक समाप्त हो जाएगा। जैव विविधता खत्म होने से एल्गी यानी शैवालों (काई) या पेड़ों के बिना, ऑक्सीजन नहीं मिलेगी। और पौधों को परागित करने वाले परागणकर्ता (पोलिनेटर) जैसे पक्षी, मधुमक्खी और अन्य कीड़े के बिना हमारी फसलें चौपट हो जाएंगी। दो तिहाई से ज्यादा फसलें- जिनमें कई फल, सब्जियां, कॉफी और कोकोआ शामिल हैं, कीटपतंगों जैसे कुदरती पॉलिनेटरों पर निर्भर हैं। सुबह-सुबह जब अन्न का कटोरा हमारे सामने होता है तब हम ये नहीं सोचते कि कुदरत ने इन फसलों को पॉलिनेट करने में कितनी मदद की है जिसकी बदौलत वो अन्न तैयार हुआ है। रोजमर्रा के स्तर पर कुदरत जो हमारे लिए कर रही है, वो हमें दिखता ही नहीं है। कोविड-19 जैसी महामारी के पीछे की वजह भी कहीं न कहीं से प्राकृतिक असंतुलन है। जब से हमने जैव विविधता को नष्ट करना शुरू किया तभी से हमने उस तंत्र को समाप्त करना शुरू कर दिया, जो स्वास्थ्य तंत्र के लिए मददगार होता है। आज अगर हम देखें तो इसी कोरोना वायरस की भिन्न-भिन्न किस्मों से हर साल करीब 100 करोड़ लोग बीमार पड़ते हैं और लाखों लोगों की मौत हो जाती है। यही नहीं धरती पर इंसानों में होने वाली जितनी भी बीमारियां हैं उनमें से 75 फीसदी जूनोटिक होती है। जूनोटिक यानी ऐसी बीमारियां जो जानवरों से इंसानों में आती है। साधारण शब्दों में ऐसी बीमारियां जो जानवरों में पैदा होती है और उनसे हम इंसानों के अंदर आ जाती है। दुनिया भर में फैली ये बीमारियां जो वायरस, बैक्टीरिया, फंगस, परजीवियों से होती है। वह हल्की से बहुत घातक तक हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इंसानों में होने वाली 60 फीसद से अधिक बीमारियां जानवरों से इंसानों में पहुंचती है। दरअसल, हमने जिस तरह धरती पर से तमाम तरह के जीवों को नष्ट कर-के उनकी जगह खुद ले ली या उन जीवों को दे दी जिन्हें हम चाहते थे। इस वजह से धरती पर जैव की विविधता खत्म होती गई और जो जानवर इन वायरस, बैक्टीरिया या दूसरे बीमारी पैदा करने वाले जीवों को संभाल सकते थे, वे धरती पर नहीं रहे। इस तरह दूसरे होस्ट के तौर पर सूक्ष्म जीवों को अपना जीवन आगे बढ़ाने के लिए जो जीवन चाहिए था, वह उन्हें हमसे मिलने लगा और उन्होंने हमारे अंदर प्रवेश करना शुरू कर दिया। इसी प्रकार सन 1997 में रेबीज से पूरी दुनिया के 50 हजार लोग मर गए। भारत में सबसे ज्यादा 30 हजार मरे। आखिर क्यों मरे रेबीज से, एक प्रश्न उठा। स्टेनफोर्ट विश्व विद्यालय के शोधकताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि ऐसा गिद्धों की संख्या में अचानक कमी के कारण हुआ। वहीं दूसरी तरफ चूहों और कुत्तों की संख्या में एकाएक वृद्धि हुई। अध्ययन में बताया गया कि पक्षियों के खत्म होने से मृत पशुओं की सफाई, बीजों का प्रकीर्णन और परागण भी काफी हद तक प्रभावित हुआ। अमेरिका जैसा देश अपने यहां के चमगादड़ों को संरक्षित करने में जुटा पड़ा है। अब हम सोचते हैं कि चमगादड़ तो पूरी तरह बेकार हैं। मगर वैज्ञानिक जागरूक करा रहे हैं। चमगादड़ मच्छरों का लार्वा खाता है। यह रात्रिचर परागण करने वाला प्रमुख पक्षी है। लोग कहते हैं कि उल्लू से क्या फायदा, मगर किसान जानते हैं कि वह खेती का मित्र है, जिसका मुख्य भोजन चूहा है।

Social Media Corner

सच के हक में...

यह जापान की एक उपयोगी यात्रा रही है। जी-7 समिट के दौरान दुनिया के कई नेताओं से मुलाकात की और उनके साथ कई तरह के मुद्दों पर चर्चा की। पीएम का आभार @KISHIDA230, जापान की सरकार और जनता की गर्मजोशी के लिए। थोड़ी देर में पापुआ न्यू गिनी के लिए रवाना हो रहा हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

हेमंत सोरेन जी जनता के नहीं, हवा हवाई वादों के मुख्यमंत्री हैं। पहले इन्होंने नियोजन नीति के नाम पर जनता को बरगलाया, फिर शिक्षक अभ्यर्थियों को झूठ बोलकर गुमराह किया, युवा साथियों से नौकरी का वादा कर मुकरते रहे, अब पचास हजार शिक्षकों की भर्ती का नया शिगूफा छोड़ा है इन्होंने। लटकाओ और भटकाओ की नीति पर चलने तथा बार बार झूठ बोलने की यह बेजोड़ कला कहां से सीखी है आपने हेमंत जी?

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

अभिजात्य समूह में मौजूदगी

जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार को जापान के लिए रवाना होते समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस साल वहां भारत की मौजूदगी को विशेष रूप से सार्थक बताया। इस सम्मेलन में भारत एक विशेष आमंत्रित सदस्य है। जहां श्री मोदी खासतौर पर जी-20 की भारत की अध्यक्षता का जिक्र कर रहे थे और जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए जापान के एजेंडे के साथ जी-20 के एजेंडे का जुड़ाव महत्वपूर्ण है, वहीं इस सप्ताह के अंत में होने वाली बातचीत में भारत की मौजूदगी की अन्य वजहें भी हैं। मेजबान देश के रूप में, जापान का रूख रूस को लेकर बेहद सख्त है। भारत में उसके राजदूत ने कहा है कि पुतिन को संदेश यह होना चाहिए कि रूस को यूक्रेन पर हमले के लिए भुगतान करना होगा। जहां जी-7 के सभी सदस्य देश झ संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान तथा यूरोपीय संघ रूस पर और ज्यादा प्रतिबंध लगाने को लेकर एकमत हैं, वहीं विशेष रूप से दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, वियतनाम, इंडोनेशिया, कोमोरोस और कुक द्वीप समूह सहित आउटरीच देशों के साथ संयुक्त वक्तव्य जारी होने की स्थिति में अबतक संतुलन बनाकर चलते आए भारत पर इसकी भाषा को कुछ हद तक संयमित करने का भार होगा। दरअसल असहज कर देने वाली बड़ी समस्या के रूप में माने जाने वाले न तो रूस और न ही चीन को इस सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है, लिहाजा जी-7 के सदस्य देशों द्वारा लगाए जाने वाले प्रतिबंधों का खाद्य, उर्वरक और ऊर्जा सुरक्षा सहित विकासशील देशों पर पड़ने वाले असर के बारे में होने वाली बातचीत के दौरान भारत का रूख दक्षिणी दुनिया के देशों की आवाज के लिए और भी ज्यादा महत्वपूर्ण होगा। श्री मोदी ने दक्षिणी दुनिया के देशों की आवाज को बुलंद करने का वादा किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने व्यक्तिगत रूप से जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जापान के निमंत्रण को स्वीकार करने का फैसला किया है और भारत में सभी की निगाहें उनके और श्री मोदी के बीच होने वाली एक संभावित बैठक पर होंगी। यह बैठक यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार होगी। जी-7 के सदस्य देश यह देखने को उत्सुक होंगे कि श्री मोदी सितंबर में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के लिए श्री जेलेंस्की को आमंत्रित करते हैं या नहीं।

रूस-यूक्रेन के झगड़े के अलावा, जी-7 और जी-7 के साथ जुड़े अन्य देशों द्वारा ऋण स्थिरता और श्रीलंका जैसे देशों को कर्ज के जाल से बाहर निकलने में मदद करने पर चर्चा के दौरान भारत अग्रणी भूमिका में होगा। वह आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता के निर्माण, ऊर्जा संबंधी वैकल्पिक गठबंधनों की अगुवाई करने और इस इलाके में बुनियादी ढांचे एवं विकास संबंधी सहायता की मांग करने जैसे मुद्दों पर भी एक प्रमुख वक्ता होगा। यही नहीं, अप्रसार संधि व्यवस्था का सदस्य नहीं रहने के बावजूद परमाणु संयम के मामले में एक बेमिसाल रिकॉर्ड रखने वाली एक आण्विक शक्ति के रूप में भारत की अनूठी आवाज को सुना जाएगा क्योंकि जापान 1945 में एक अमेरिकी परमाणु बम से तबाह होने वाले हिरोशिमा से परमाणु अप्रसार के मसले पर एकजुटता का संदेश देना चाहता है। भले ही जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान भारी कवायदें जापान और सदस्य देशों की तरफ से की जायेंगी, लेकिन उन्हें अभी भी एक छोटे एवं अभिजात्य समूह के रूप में देखा जाता है और एक विकासशील शक्ति के साथ-साथ जी-20 के अध्यक्ष होने के नाते इस साल भारत की हैसियत एक ऐसे महत्वपूर्ण अन्य की है, जो संवाद की इस प्रक्रिया को और ज्यादा समावेशी बनाने में अपनी छाप छोड़ सकता है।

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही पुलिस और सुरक्षा बल के जवानों के लिए यह एक बड़ी सफलता है। कुछ दिन पहले ओडिशा में नक्सली हमले में जो नुकसान हुआ था उसका यह बदला भी कहा जा सकता है। वास्तव में पीएलएफआइ सुप्रीमो दिनेश गोप झारखंड में आतंक का पर्याय बन चुका था। हाल के दिनों में शांति के दौरान उम्मीद भी जताई जा रही थी कि पुलिस और सुरक्षा बल के जवान जरूर किसी बड़ी कार्रवाई की तैयारी में हैं। यह बात सामने भी आई जब रविवार की सुबह से ही सोशल मीडिया पर यह खबर वायरल होने लगी कि पीएलएफआइ सुप्रीमो दिनेश गोप को पकड़ लिया गया है। इस गिरफ्तारी से पुलिस में नए उत्साह का संचार होगा। झारखंड में वैसे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर हो चुकी है। कई जिले नक्सल प्रभाव से मुक्त हो चुके हैं। दिनेश गोप से पूर्व भी कुछ बड़े नक्सली नेताओं की गिरफ्तारी ने नक्सलियों को कमजोर किया था। रविवार की कार्रवाई ने तो उनकी कमर ही तोड़ दी। अब जरूरत है नक्सलियों के खिलाफ और भी बड़े स्तर पर अभियान चलाने की। उन्हें संभलने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए। साथ ही इसपर भी नजर रखनी होगी कि इनका संगठन नए सिरे से मजबूत नहीं बन सके। बूढ़ा पहाड़ को नक्सलियों के कब्जे से मुक्त कराने के कारण उनका कारिडोर पहले ही ध्वस्त हो चुका है। अब हम उम्मीद कर सकते हैं कि झारखंड नक्सल मुक्त राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

सुहैब अंसारी, पत्रकार रांची।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हराया, कैमरून ग्रीन का शतक

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के एक मैच में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया। टीम ने 201 रन का टारगेट 18 ओवर में चेज कर लिया। कैमरून ग्रीन ने आईपीएल करियर का पहला शतक लगाया।

पावरप्ले में किशन का विकेट गिरने के बाद मुंबई से कैमरून ग्रीन नंबर-3 पर बैटिंग करने उतरे। उन्होंने शुरुआती ओवरों से ही बड़े-बड़े शॉट्स लगाए और कप्तान रोहित शर्मा के साथ शतकीय साझेदारी की। उन्होंने 20 गेंद पर फिफ्टी पूरी करने के बाद 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर सिंगल लिया। इस सिंगल के साथ उन्होंने टीम को जीत दिलाई और अपना पहला आईपीएल शतक भी पूरा किया।

14वें ओवर में रोहित शर्मा के आउट हो जाने के बाद मैदान पर सूर्यकुमार यादव ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने 16 बॉल पर 25 रन की पारी में 4 चौके लगाए। उन्होंने कैमरून ग्रीन के साथ 30 गेंद पर ही 53 रन की नॉटआउट पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई।

मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरी पारी में 34वां रन लेने के साथ ही मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के लिए 5000 रन पूरे कर लिए। उनके आईपीएल में 6100 से ज्यादा रन हैं। लेकिन बाकी रन उन्होंने डेक्कन चार्जर्स फ्रेंचाइजी के लिए बनाए हैं। रोहित ने 33 बॉल पर अपनी फिफ्टी भी पूरी की, जो इस सीजन उनकी दूसरी फिफ्टी है। वह 56 रन बनाकर आउट हुए।

रोहित शर्मा और कैमरून ग्रीन ने 65 बॉल पर 128 रन की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी में रोहित ने 50 और ग्रीन ने 73 रन जोड़े। रोहित के विकेट के साथ ये पार्टनरशिप टूटी।

201 रन के टारगेट को डिफेंड करने उतरी हैदराबाद के बॉलर्स विकेट को तरस गए। पावरप्ले में भुवनेश्वर कुमार ने ईशान किशन (14 रन) का विकेट लिया। इस विकेट के बाद 10 ओवर तक टीम को विकेट नहीं मिला। 14वें ओवर में मयंक डागर ने रोहित शर्मा को कैच आउट कराया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इससे पहले हैदराबाद के ओपनर्स मयंक अग्रवाल और विव्रांत शर्मा ने 140 रन की पार्टनरशिप की। मयंक ने 83 और विव्रांत ने 69 रन बनाए। हैदराबाद से हेनरिक क्लासेन ने 13 बॉल पर 18, ग्लेन फिलिप्स ने 4 बॉल एक, सनवीर सिंह ने 3 बॉल पर 4 और ऐडन मार्करम ने 7 बॉल पर 13 रन बनाए। हैरी ब्रूक गोल्डन डक पर आउट हुए।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने नया ओपनिंग कॉम्बिनेशन ट्राई किया। टीम ने विव्रांत शर्मा के साथ मयंक अग्रवाल को पारी की शुरुआत करने भेजा। दोनों ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और 6 ओवर में बगैर विकेट गंवाए 53 रन जोड़ लिए।

विव्रांत शर्मा ने 36 बॉल में फिफ्टी लगा दी। यह उनके आईपीएल करियर की पहली ही फिफ्टी है। 47 बॉल पर 69 रन की पारी में विव्रांत ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए।

विव्रांत ने पावरप्ले में मयंक अग्रवाल के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप करने के बाद सीजन में टीम की पहली 100 प्लस रन की ओपनिंग पार्टनरशिप भी की। दोनों ने 83 बॉल पर 140 रन जोड़े। विव्रांत के विकेट के साथ दोनों की पार्टनरशिप टूटी।

मयंक अग्रवाल ने 32 बॉल में अपनी फिफ्टी पूरी की। वह 46 बॉल में 83 रन बनाकर आउट हुए, इस पारी में उन्होंने 8 चौके और 4 छक्के लगाए। मुंबई से मधवाल ने 4 विकेट लिए, वहीं क्रिस जॉर्डन को एक विकेट मिला।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 1-1 की बराबरी पर रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। एडिलेड। दीप ग्रेस एक्का के गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम तीन मैचों की श्रृंखला के आखिरी मुकाबले में रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया से पिछड़ने के बाद मुकाबला 1-1 से बराबरी पर खत्म करने में सफल रही। भारत ने पहले ही श्रृंखला को 0-2 से गंवा दिया था। दीप ने मैच के 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैच का इकलौता गोल मैडिसन ब्रुक ने 25वें मिनट में किया। भारत ने मैच की शुरुआत सकारात्मक तरीके से करते हुए गेंद को अपने नियंत्रण में रखते हुए अच्छे पास देने पर पर ध्यान दिया। ऑस्ट्रेलिया ने भी इस दौरान भारतीय रक्षापंक्ति पर दबाव बनाते हुए दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये। पहले क्वार्टर में दोनों टीमें मौके को भुनाने में विफल रही।

भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक शुरूआत की लेकिन ब्रुक ने फ्री हिट पर मिले शानदार पास को गोल में बदल कर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भारत ने बराबरी करने के लिए जोर लगाया। टीम को इसका फायदा भी मिला जब ग्रेस ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदल कर स्कोर बराबर कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद आक्रामक रुख अपनाकर भारतीय रक्षापंक्ति पर दबाव बनाया लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली। भारतीय टीम अब गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेलेगी।

एक सीजन में सबसे ज्यादा डक का रिकॉर्ड जोस बटलर के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के स्टार ओपनर जोस बटलर ने आईपीएल के 2023 सीजन की जोरदार शुरूआत की थी। लेकिन जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ा, उन्हें अपने प्रदर्शन मे असंगति का सामना करना पड़ा। बटलर ने एक अवांछित आईपीएल उपलब्धि दर्ज की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आखिरी लीग मैच में 0 पर आउट होने के बाद, उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा डक (5) का रिकॉर्ड दर्ज किया। हर्शल गिब्स (डेक्कन चार्जर्स, 2009), मिथुन मन्हास (पुणे वारियर्स इंडिया, 2011), मनीष पांडे (सनराइजर्स हैदराबाद, 2012), शिखर धवन (दिल्ली कैपिटल्स, 2020), निकोलस पूरन (सनराइजर्स हैदराबाद, 2021) और इयोन मोर्गन (कोलकाता नाइट राइडर्स, 2021) सभी के नाम एक सीजन में चार आईपीएल डक थे।

इंग्लिश व्हाइट-बॉल कप्तान अब नेटिजन्स की आलोचना का सामना कर रहा है। ट्विटर पर एक ने लिखा, आईपीएल 2022 में ऑरेंज कैप और आईपीएल 2023 में 5 डक। मैं जोस बटलर के लिए आईपीएल 2023 में 5 डक दोहराता हूं। आपकी माफी उतनी ही जोर से होनी चाहिए जितनी आपकी बेइज्जती थी!

नीतीश, गौतम गंभीर और नवीन दिखे साथ... फैंस ने लगाया कोहली से लड़ाई का कनेक्शन

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2023 का 68वां मुकाबला कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मैंच खेला गया है। वहीं इस बड़े मैच से पहले केकेआर के कप्तान नीतीश राणा, एलएसजी के मेंटोर गौतम गंभीर और तेज गेंदबाज नवीन उल हक के साथ बैठे हुए नजर आए। उनकी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

जब से स्टार क्रिकेटर विराट कोहली की नवीन उल हक और गौतम गंभीर से लड़ाई हुई है, तब से नवीन और गंभीर काफी ज्यादा चर्चा में बने हुए हैं। इतना ही नहीं बल्कि विराट के फैंस सोशल मीडिया पर दोनों को ट्रोल कर रहे हैं। इसके बाद अब कोलकाता और लखनऊ के मैच से पहले नीतीश राणा, गौतम गंभीर और नवीन उल हक के साथ बैठे हुए नजर आए।

इस तस्वीर में गंभीर और नवीन खाना खा रहे हैं, जबकि नीतीश राणा, गौतम की किसी बात पर काफी ज्यादा गंभीर नजर आ रहे हैं। फैंस मीटिंग को फिर विराट के साथ हुई लड़ाई के साथ जोड़ रहे हैं। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रही है। वहीं नवीन, कोहली से हुई लड़ाई के बाद काफी ज्यादा गंभीर के साथ नजर आते हैं।

दरअसल, लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच लखनऊ के इकाना स्पोर्ट्स स्टेडियम में एक बहुत ही रोचक मुकाबला खेला गया था। इस मैच में कोहली काफी ज्यादा आक्रमक रूप में नजर आए थे। जब नवीन उल हक बल्लेबाजी करने आए थे, तब विराट ने उन्हें स्लेज भी किया था। इसके बाद नवीन को विराट की स्लेजिंग बिल्कुल पसंद नहीं आई और उन्होंने मैच के बाद कोहली से हाथ मिलाते समय अपना गुस्सा जाहिर किया था। उनके ऐसा करने से बात काफी ज्यादा आगे बढ़ गई थी। दोनों टीमों के बीच माहौल काफी ज्यादा गरमा गया था। इस दौरान मैच के बाद गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच भी जमकर बहस हुई थी।

आफरीदी ने बीसीसीआई को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की

लाहौर ।पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद आफरीदी ने एक बार फिर विवादास्पद बयान दिया है।आफरीदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी टीम को विश्वकप के लिए भारत जरुर जाना चाहिये।पूर्व पाक कप्तान ने कहा कि भारत में जाकर विश्वकप जीतना बीसीसीआई के मुंह पर तमाचा थप्पड़ मारने की तरह होगा।आफरीदी ने कहा कि पाक क्रिकेटर प्रबंधन को चाहिए कि वे अपने राष्ट्रीय खिलाड़ियों को विश्वकप के लिए भारत भेजें. इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि टीम जाती है और विश्व कप जीतती है तो सारा विवाद बेहतर तरीक से सुलझ जाएगा. उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा है कि पीसीबी इस बात पर क्यों अड़ी हुई है कि टीम को भारत नहीं भेजा जाये। आफरीदी ने कहा, मेरे हिसाब से उनको हालाता को थोड़ा सामान्य करने की जरूरत है और यह भी समझना चाहिए कि एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट होने जा रहा है।आफरीदी बोले, अपने लड़कों से कहें कि जाएं और ट्रॉफी लेकर आएं, इसके बाद पूरा देश आपके पीछे खड़ा हो जाएगा। साथ ही कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट छोड़ने के हमारे पास अधिक विकल्प नहीं हैं। गौरतलब है बीसीसीआई के पाक में होने वाले एशिया कप के लिए टीम नहीं भेजे जाने के बाद पीसीबी ने कहा था कि वह भी विश्वकप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेगा।

किसी भी हालात में हार नहीं मानने से सफलता मिली : कृणाल

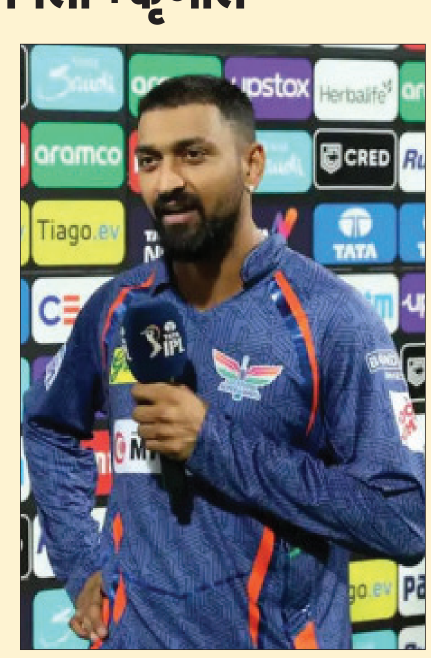

लखनऊ ।लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान कृणाल पंड्या ने प्लेऑफ में पहुंचने पर उत्साहित होकर कहा कि उनकी टीम किसी भी प्रकार के हालातों में जीत दर्ज कर सकती है। कोलकाता नाइट रायडर्स (केकेआर) के खिलाफ रोमांचक लीग मुकाबले में एक रन से जीत के साथ टीम ने प्लेऑफ में जगह बनायी थी।कृणाल ने कहा, '' हम इस जीत से बहुत खुश हू।हमने कभी हार नहीं मानी थी।एक समय केकेआर की टीम एक विकेट पर 61 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी पर हमें पता था कि दो–तीन अच्छे ओवर मैच को बदल सकते हैं।इस पिच से स्पिनरों को भी सहायता मिली थी।'' वहीं रिंकू की पारी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, '' इस सत्र में रिंकू का प्रदर्शन विशेष रहा है।आप उन्हें कम नहीं आंक सकते।वह बहुत खास बल्लेबाज है।हम अंतिम ओवरों में एक बार में एक गेंद के बारे में सोच रहे थे।'' लखनऊ को पिछले मैच में अंतिम ओवर में मोहसिन खान ने शानदार जीत दिलाई थी।वहीं कृणाल ने इस बार यश ठाकुर पर भरोसा जताया जिससे उन्होंने बनाये रखा।

यशस्वी को भारतीय टीम में शामिल किया जाये : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर के अनुसार यशस्वी ने जिस प्रकार से अब तक आईपीएल में बल्लेबाजी की है उससे अंदाज होता है कि वह अब अंतराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसलिए उन्हें भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। मिल होने के लिए तैयार हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन करने का मौका दिया जाना चाहिए। इस युवा बल्लेबाज ने रॉयल्स की ओर से इस सत्र के 14 मैचों में 48.08 के औसत और 163.61 के स्ट्राइक-रेट से 625 रन बनाए हैं। गावस्कर ने कहा कि यशस्वी की इस सत्र में बल्लेबाजी देखकर मुझे बेहद खुशी हुई है।

उन्होंने कहा, अगर कोई बल्लेबाज टी20 में 20-25 गेंदों में 40-50 रन बना लेता है, तो उसका प्रदर्श टीम के लिए अच्छा माना जाएगा पर अगर वह सलामी बल्लेबाज है, तो आप चाहते हैं कि वह 15 ओवर खेले। अगर वह उस समय तक शतक बना लेता है, तो आपकी टीम का कुल योग आसानी से 190-200 का आंकड़ा पार कर जाएगा। इसलिए यशस्वी ने इस सत्र में जिस तरह से बल्लेबाजी की है और उससे मुझे काफी खुशी हुई है। वह एक अच्छी तकनीक वाला बल्लेबाज है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि वह तैयार है और उसे टीम में एक अवसर दिया जाना चाहिए। साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने से उसका मनोबल भी बढ़ेगा क्योंकि वह फार्म में है।

इंम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आगे भी खेल सकते हैं धोनी: पठान

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पास इंम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत अगले पांच साल तक खेलने के अवसर हैं। पिछले काफी समय से धोनी के खेल से संन्यास की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं माना जा रहा है कि बढ़ती उम्र को देखते हुए ही ये उनका अंतिम सत्र है। धोनी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से साल 2020 में ही संन्यास ले लिया था। उनके कई साथी खिलाड़ियों ने भी उनके इस साल संन्यास लेने की अटकलें जतायी हैं।

वहीं धोनी ने अभी तक अपने संन्यास को लेकर कोई खुलासा नहीं किया पर उन्होंने जिस प्रकार स्टेडियम का चक्कर लगाने सहित कुछ ऐसे संकेत किये हैं जिससे उनके संन्यास की संभावनाओं को बल मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर युसूफ पठान को लगत है कि धोनी अगले पांच साल और आईपीएल खेल सकते हैं। उन्होंने कहा है कि आईपीएल में वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर चाहे तो और समय भी खेल सकते हैं। उनमें अभी काफी क्रिकेट बाकि है जिस प्रकार के बड़े शॉट उन्होंने खेले हैं उससे इसका अंदाजा होता है।

पठान ने कहा, इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ धोनी 5 साल तक खेल सकते हैं। हालांकि वह कप्तान नहीं बने रह सकते हैं पर सीएसके टीम के प्रशंसक उन्हें बल्लेबाज और मेंटर के रूप में देखेंगे।

आरसीबी और जाएंट्स में हो सकता है एलिमिटेर मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जाएंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच एलिमिटेर मुकाबला होने की संभावनाएं हैं। आईपीएल में अब तक तीन टीमों गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स ने प्लेऑफ में जगह बनायी अब और चौथे स्थान के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी), मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला है। इन तीनो ही टीमों में आसीबी की दावेदारी सबसे मजबूत नजर आ रही है। अगर वह अपने अंतिम लीग मुकाबले में गत चैंपियन गुजरात टाइटंस को हराकर प्लेऑफ में पहुंचती है तो लखनऊ सुपर जाएंट्स और आरसीबी में एलिमिटेर मुकाबला हो सकता है।

अंक तालिका में अभी आरसीबी के अलावा मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के भी 14-14 अंक है रन रेट के मामले में आरसीबी मुम्बई और रॉयल्स से आगे है। ऐसे में जीत दर्ज करन पर उसका प्लेऑफ में पहुंचना तय है।

वहीं एक अन्य मैच में मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला है। इसमें अगर मुम्बई काफी बड़े अंतर से जीतती है तो ही वह रन रेट के मामले में आरसीबी से आगे निकल पायेगी। वहीं आरसीबी अगर गुजरात से हार भी जाये तो भी उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं रहेंगी। आरसीबी अगर 5 से कम रनों से हार का सामना करना पड़ता है तो उनका नेट रन रेट मुंबई और राजस्थान दोनों से अच्छा रहेगा। ऐसे में वह प्लेऑफ में पहुंच सकती है।

रिकर्व तीरंदाज रहे खाली हाथ ; विश्व कप में भारत दूसरे स्थान पर रहा

शंघाई। कंपाउंड वर्ग के तीरंदाजों के अच्छे प्रदर्शन को 'विश्व कप चरण दो' में रिकर्व वर्ग के तीरंदाज जारी नहीं रख सके जिससे रविवार को भारत का अभियान तीन पदक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर खत्म हुआ।कोरिया ने अंताल्या में हुए सत्र के शुरूआती विश्व कप में भाग नहीं लिया था।टीम ने इस विश्व कप के रिकर्व वर्ग में चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य हासिल किया जिससे उसके कुल पदकों की संख्या 11 हो गयी।तरुणदीप राय, अतनु दास और युवा नीरज चौहान के शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद भारत को उभरते हुए तीरंदाज धीरज बोम्मादेवारा से उम्मीदें थे।कोरिया के तीरंदाज ओह जिन हॉके ने हालांकि प्री–क्वार्टर फाइनल में सेना के इस खिलाड़ी को सीधे सेट में 0–6 (29–30, 28–29, 29–30) से शिकस्त दी।रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में भी धीरज और सिमरनजीत कौर की जोड़ी पहले सेट की बढ़त को बरकरार रखने में विफल रही।इंडोनेशिया की जोड़ी ने उन्हें 2–6 (39–35, 37–39, 37–38, 34–35) से हराकर अंतिम–16 दौर से बाहर का रास्ता दिखाया।इस वर्ग में भारत का कोई भी तीरंदाज पदक दौर में जगह नहीं बना पाया।भारत ने इस चरण में अपने सभी पदक कंपाउंड वर्ग में जीते।प्रथमेश जावकर और अवनीत कौर ने क्रमश: व्यक्तिगत स्वर्ण और कांस्य जीता जबकि ओजस देवताले एवं ज्योति सुरेखा वेनाम की जोड़ी ने मिश्रित टीम वर्ग में स्वर्ण जीता।

रिबाकिना ने इटैलियन ओपन जीता

रोम ।कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना ने इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीत लिया है। रिबाकिना ने महिला एकल में आसानी से खिताब जीत लिया क्योंकि उनकी विरोधी खिलाड़ी यूक्रेन की एनहेलिना कालिनिना दूसरे सेट की शुरुआत में ही बाएं जांघ में चोट लगाने के कारण मुकाबले से हट गयीं थीं।कालिनिना जब मुकाबले से हटीं उस समय तक रिबाकिना 6–4, 1–0 से आगे थीं।वहीं पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में होल्गर रूने का सामना रुस के दानिल मेदवेदेव से होगा।रूने ने इससे पहले सेमीफाइनल में कास्पर रूड को 6–7 (2), 6–4, 6–2 से हराया जबकि मेदवेदेव ने स्टीफानोस सितसिपास को 7–5, 7–5 से पराजित किया।

जडेजा को देखकर तलवारबाजी करते नजर आये वार्नर

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए आईपीएल के 67वें मैच में सीएसके कैपिटल्स को 77 रनों से हराकर प्लेऑफ में पहुंची।वहीं दिल्ली की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी थी।ऐसे में ये मैच उसके लिए औपचारिकता भर था।कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर ने अपने ग्रुप स्तर के इस अंतिम मैच का जमकर आनंद उठाया।उन्होंने इस मैच में 86 रनों की शानदार पारी खेली।इस दौरान वह सीएसके के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को तलवारबाजी का एक्शन कर हंसी मजाक करते भी दिखे।जडेजा अच्छी बल्लेबाजी के बाद खुशी में बल्ले को तलवार की तरह लहराते हैं।इस मैच में लक्ष्य का पीछा करने के दौरान वॉर्नर मस्ती के मूड में दिखे।दरअसल, पांचवे ओवर में बल्लेबाजी के दौरान वॉर्नर ने 1 रन लिया, जिसपर मोईन अली ने उन्हें रन आउट करना चाहा पर वह तेजी से क्रीज के अंदर पहुंच गए।इसके बाद वॉर्नर मजाक करते हुए क्रीज से बाहर निकले और ऐसा दिखाने जैसे की वह दूसरे रन के लिए भी जाएंगे।वहीं वॉर्नर को क्रीज से बाहर आते हुए देखकर रहाणे ने थ्रो मारी और वॉर्नर फिर से क्रीज में लौट गए और इस बार गेंद रविंद्र जडेजा के हाथों मे गई।इसके बाद वॉर्नर फिर से क्रीज के बाहर आ गये और अब जडेजा के थ्रो मारने से पहले ही वॉर्नर उनकी तरह बल्ले को तलवार की तरह लहराकर उनकी हंसी उड़ाने लगे।

फ्लावर ने रिंकू की जमकर प्रशंसा की, टीम इंडिया में जगह पाने का प्रबल दावेदार बताया

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर व लखनऊ सुपरजाइंट्स के कोच एंडी फ्लावर ने कोलकाता नाइटरायडर्स के बल्लेबाज रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसका भविष्य उज्जवल है। फ्लावर के अनुसार रिंकू को सफलता का भूखा और शांत व्यवहार एक बेहतर क्रिकेटर बनाती है। इसलिए वह भारतीय टीम में जगह बनाने के बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम को भी रिंकू ने इस सत्र में कई मैच जिताये हालांकि इस मैच में वह बेहतरीन पारी के बाद भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। केकेआर इस मैच में केवल एक रन से हारी।

फ्लावर ने कहा, ''रिंकू ने अपनी टीम को जीत के इतना करीब लाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी, हम अच्छी स्थिति में थे पर इसके बाद भी रिंकू ने पूरा प्रयास किया , अगर वे इसे वहां से जीतते तो यह वास्तव में हैरानी वाली बात होती। इस पूर्व कोच ने कहा कि रिंकू का भविष्य उज्जवल है। उन्होंने कहा, ''वह वास्तव में शारीरिक रूप से प्रतिभाशाली व्यक्ति की तरह दिखता है। उसमें सफलता की भूख नजर आती है। इसके साथ ही वह विनम्र भी है। वह क्या कर सकता है इसे लेकर वह आश्वस्त है। वह वास्तव में अच्छा पैकेज है। फ्लावर ने कहा, ''देश में बल्लेबाजी में इतनी प्रतिभा है। उसने दिखाया है कि वि दबाव में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का एक अहम पहलू है।

लखनऊ के 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर की टीम एक समय 18 ओवर के बाद सात विकेट पर 136 रन बनाकर काफी मुश्किल में था पर रिंकू ने 33 गेंद में नाबाद 67 रन बनाकर टीम को शानदार जीत के बेहद करीब पहुंचाया हालांकि अंत में उसे एक रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम को जीत के लिए अंतिम तीन गेंदों पर तीन छक्कों की जरुरत थी पर रिंकू दो छक्के और एक चौका ही लगा पाये।

वर्कआउट के दौरान घायल हुए
सलमान खान

हाल ही में किसी का भाई किसी की जान में नजर आए और अपनी अपकमिंग फिल्म टाइगर 3 की तैयारी कर रहे बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान वर्कआउट के दौरान घायल हो गए। एक्टर ने अपने फॉलोअर्स के साथ अपडेट साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह कैमरे की तरफ पीठ करके खड़े हुए हैं और उनके कंधे पर काइन्सियोलॉजी टेप लगी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब आपको लगता है कि आप पूरी दुनिया का भार अपने कंधों पर लेकर चल रहे हैं, तो वो कहते हैं कि दुनिया को छोड़ो पांच किलो का डंबल उठाके दिखाओ। टाइगर जख्मी है। सलमान की इस तस्वीर को देख फैन्स परेशान हो गए हैं और कमेंट्स करने लगे। एक फैन ने कहा, अपना ख्याल रखना और जल्दी ठीक हो जाओ मेरे टाइगर। इस साल की शुरूआत में, सलमान ने सिद्धार्थ आनंद की पठान में टाइगर की अपनी भूमिका दोहराई। वह और शाहरुख जीरो के बाद एक बार फिर पर्दे पर साथ आए। टाइगर 3 में सलमान कटरीना कैफ और इमरान हाशमी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

जूनियर एनटीआर और जान्हवी की एनटीआर30 का
नाम होगा देवरा

जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर की फिल्म एनटीआर 30 को लेकर मेकर्स ने बड़ी जानकारी शेयर की है। इस फिल्म का ऑफिशियल नाम देवरा होगा जिसका फर्स्ट लुक पोस्टर भी मेकर्स ने जारी कर दिया है। आइए बताते हैं देवरा की रिलीज डेट क्या है। आरआरआर फेम जूनियर एनटीआर इन दिनों

कर रहे हैं। ये एक्टर की 30वीं फिल्म है, जिसे फैंस एनटीआर30 का नाम दे रहे थे। इस फिल्म की खास बात ये थी कि इसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर और सैफ अली खान भी नजर आने वाले हैं। अब आखिरकार मेकर्स ने इस फिल्म के ऑफिशियल टाइटल को अनाउनेंस कर दिया है। साथ ही इस फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी है। तो आइए तारक का फर्स्ट लुक पोस्टर भी आपको दिखाते हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की फिल्म का नाम देवरा है। इस फिल्म के पहले पोस्टर में मेकर्स ने छ्ह्न हृअक्र्के लुक को दिखाया है। पोस्टर में एक्टर बड़ा सा खंजर पकड़े नजर आ रहे हैं। एनटीआर का स्वैग यकीनन फैंस की बेकरारी को और बढ़ा रहा है। मेकर्स ने इससे पहले बताया था कि ये फिल्म भारत के तटीय भूमि के बारे में होगी। देवरा फिल्म में एनटीआर के साथ जान्हवी कपूर मुख्य रोल को निभाती नजर आएंगी। जबकि सैफ अली खान भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। एनटीआर आर्ट्स और युवा सुधा आर्ट्स के बैनर तले हरि कृष्ण के और मिकिलिनेनी सुधाकर इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है।

अक्षय इंडस्ट्री के मजबूत पिलर हैं - रवीना

90 के दशक में रवीना टंडन और अक्षय कुमार के अफेयर की खबरें बेहद सुर्खियों में थीं। दोनों की सगाई भी हो गई थी। हलांकि, कुछ समय बाद ही यह जोड़ी अलग हो गई। हालांकि, समय के साथ अब इस एक्स कपल के बीच पहले से बेहतर रिश्ते हुए हैं। हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान रवीना ने अपने और अक्षय रिश्ते पर बात की। रवीना ने बताया कि वो और अक्षय अब अच्छे दोस्त हैं, वहीं उन्होंने खिलाड़ी कुमार को इंडस्ट्री का अहम पिलर्स में से एक बताया। रवीना ने शिल्पा शेट्टी के साथ अपनी दोस्ती के बारे में भी बात की। माना जाता है कि रवीना के साथ ब्रेकअप के बाद अक्षय शिल्पा शेट्टी को डेट कर रहे थे।

चॉकलेट बॉय वाला टाइटल चिपक रहा है मेरे साथ

बॉलीवुड एक्टर जिमी शेरगिल की अपकमिंग फिल्म आजम को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म मुंबई में उस एक रात की कहानी है जिसमें इतना कुछ हो जाता है कि अंडरवर्ल्ड से लेकर पुलिस फोर्स और पूरा सिस्टम हिल जाता है। जिमी शेरगिल अपनी इसी फिल्म को लेकर मीडिया से बातचीत की। इसी दौरान उन्होंने ढेर सारी बातें भी कहीं। उन्होंने बताया कि जब फिल्म की स्क्रिप्ट के बारे में सुना कि ये एक रात की कहानी है, तभी उन्होंने पॉज लिया। क्योंकि एक रात की कहानी का मतलब था की रातों की शूटिंग। उन्होंने कहा- मैं जल्दी सोकर सुबह जल्दी उठने वालों में से हूं और रात की शूटिंग से हेल्थ पर असर पड़ता है इसलिए मैंने टीम से ऐसा बोल दिया था।

हम 40 की जगह हम 80 रातें देने को तैयार हैं

जिमी ने बताया कि उनके पास जो स्क्रिप्ट आती हैं, उन्हें वो खुद पढ़ते हैं। चूंकि पढ़ने का शौक भी है तो वो इसे खुद पढ़ते हैं। एक बार जिमी ढूंढ रहे थे तो एक मोटी सी स्क्रिप्ट दिखी जो हिन्दी में लिखी थी। उन्हें लगा कि इस पढ़कर देखते हैं। जिमी ने कहा- एक-दो पेज पढ़े थे मैंने कि मुझे ये बेहद पसंद आ गया। फिर मैंने इंटरवल तक पढ़ा और फिर पूरी स्क्रिप्ट खत्म कर दी। मुझे थ्रिलर सस्पेंस बहुत पसंद है। मैंने तुरंत अपने मैनेजर को फोन लगाया और पूछा कि ये

मैंने उसपर जो लिखा था वो पूरी डीटेल बताई। इसपर मैनेजर ने कहा- अरे ये तो वो ही जिसे नाइट शूटिंग की वजह से हमने ना बोल दी थी। मैंने कहा- उनको तुंरत कॉल करो और बोलो कि आपको 40 की जगह हम 80 रातें देने को तैयार हैं, अगर आपने कास्ट नहीं किया है तो हम इसे कर रहे।

कोई और रोल जो कास्ट नहीं हुआ है वो हमें दे दीजिए

जिमी ने मैनेजर से ये भी कहा कि उनको बोलो कि अगर लीड रोल कास्ट कर लिया है तो कोई और रोल जो कास्ट नहीं हुआ है वो हमें दे दीजिए, क्योंकि हम इसका हिस्सा बनना चाहते हैं। बाद में उन्हें पता लगा कि जो राइटर है वही डायरेक्टर है। उन्होंने कहा- मैंने हमेशा से कहा है कि फिल्म का हीरो उसकी स्क्रिप्ट है।

मुझे लगा ये तो चॉकलेट बॉय वाला टाइटल चिपक रहा है मेरे साथ

जिम्मी ने कहा, मैंने मोहब्बतें के बाद दो साल ढाई साल लगातार दिन-रात काम किया। उन दो सालों में मैंने रियलाइज किया कि मेरे सब रोल चॉकलेट बॉय वाले हैं।

सैयामी को
सचिन तेंदुलकर के नाम से
चिढ़ाते हैं गुलशन

गुलशन देवैया अपनी फिल्म 8AM मेट्रो को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 19 मई को सिनेमाघर में रिलीज हुई है। खास बातचीत के दौरान गुलशन ने अपने को-स्टार सैयामी खेर के साथ काम करने से लेकर मेट्रो स्टेशन पर

सबसे बड़ी चुनौती तो मेट्रो स्टेशन पर शूट करना हुआ। मेट्रो में शूटिंग के लिए परमिशन मिलना इतना आसान नहीं होता है, इसलिए जल्दी-जल्दी शूटिंग निपटाना पड़ता था। दूसरी चैलेंजिंग बात बारिश को लेकर थी। कभी-कभी हमें बारिश के लिए घंटों तक इंतजार करना पड़ता था। बारिश करवाने के लिए टैंकर से पानी भी मंगाया गया था। लेकिन हमने जैसे-तैसे करके सारी चीजों को मैनेज कर लिया गया और अब यह फिल्म दर्शकों के सामने है। गुलशन ने कहा कि सैयामी उस वक्त बहुत चिढ़ती थीं, जब उनके सामने कोई सचिन तेंदुलकर की बात करता है। उन्होंने कहा, सैयामी क्रिकेट की बड़ी शौकीन हैं। सचिन तेंदुलकर की बहुत बड़ी फैन भी हैं। उनके हम सब भी फैन हैं, लेकिन सैयामी को चिढ़ाने में थोड़ा मजा आता था। सचिन ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच में 100वां शतक मारा था, पर ये मैच हम हार गए थे। मैं सैयामी से कहता था कि यह क्या बात हुई, 100 शतक तो मार गए, पर बांग्लादेश के खिलाफ तो हार गए, जबकि वो उतनी मजबूत टीम नहीं मानी जाती है। सेट पर हम इसी तरह से मजाक-मस्ती करते थे। वह मुझे राहुल द्रविड़ बुलाती हैं और मैं उन्हें सचिन बुलाता हूं। शूटिंग के समय सैयामी इटली, डोसा खिलाने के लिए एक रेस्टोरेंट लेकर जाती थीं, क्योंकि वहां का इडली-डोसा उन्हें बहुत पसंद है। हालांकि मैं साउथ में पला-बड़ा हूं, पर इस रेस्टोरेंट के बारे में मुझे मालूम नहीं था। खाली समय में एक-दूसरे से बातें करते थे।

सेट पर हंसी मजाक चलता रहता था

गुलशन ने कहा कि जब वे और सैयामी रोमांटिक सीन शूट कर रहे होते थे, और तभी डायरेक्टर कट बोलता है। इसके बाद दोनों का क्या रिएक्शन होता है। उन्होंने कहा, उसके बाद तो हम दोनों एक-दूसरे का चेहरा देखकर हंसते थे। कहते थे कि अरे! यह क्या किया तुमने, यह क्या बोल दिया। इस तरह थोड़ी बहुत एक-दूसरे की खिंचाई होती थी, क्योंकि हम दोनों के बीच एक अच्छी केमेस्ट्री हो गई थी। इस तरह सेट पर हंसी-मजाक चलता ही रहता था।

टीवी इंडस्ट्री में भेदभाव पर अंगूरी भाभी शुभांगी अत्रे का खुलासा

भाबी जी घर पर हैं सीरियल में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर पॉप्युलैरिटी हासिल करने वाली एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने बताया कि

काम पर जाती थीं। तीन-तीन दिन मिल नहीं पाती थीं। वो उन्हें टीवी पर छूकर मम्मी-मम्मी कहती थी। उन्होंने ये भी बताया कि सिंगल मदर होने के बाद अब उनकी क्या चुनौतियां हैं। उन्होंने बताया कई बार ऐसा होता है की मेल एक्टर्स की बात मान ली जाती है, पर वहीं अगर फीमेल एक्टर ने कहा तो नहीं होती वह बात पूरी। मैं जब इंडस्ट्री में आई थी तब कहते थे कि शादीशुदा को हीरोइन दिया। मेल एक्टर पॉपुलर है तो उसकी बात सुनेंगे आपकी नही। जब कभी हम मुसीबत में हों, तो इक्वालिटी की बात करते हैं। अगर कभी मैंने कहा हो, मेरा बच्चा बीमार है, जल्दी छोड़ दे। उस समय बच्चे को पिता से ज्यादा मां की जरूरत होती है तब वो समझना चाहिए। वो नहीं समझते और मुझे नहीं लगता कि ये कभी खत्म होगा। मुझे लगता है प्रोफेशनल रहें और अपना काम करते रहें।

ताज सीजन 2 फेम
सौरसेनी मैत्री ने ओटीटी के बारे में
खुलकर की बात

एक्ट्रेस ने ओटीटी, सपने और मुगल इतिहास और हिंदी भाषा के बारे में खुलकर बात की। कम उम्र में बंगाल से एक मॉडल के तौर पर करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस सौरसेनी मैत्री इंडस्ट्री में लगातार अपनी इमेज मजबूत कर रही हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि ओटीटी को अश्लील कॉन्टेंट रखने से पहले सोचना चाहिए। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह को अपने आप में एक एक्टिंग इंस्टिट्यूट बताया।

मम्मी का सपना जी रही हूं

आज मैं जो हूं, वो मम्मी की वजह से हूं। असल में, एक्ट्रेस बनने का सपना मम्मी का था, जिसे मैं पूरा कर रही हूं। उनके समय में चीजें आसान नहीं थीं, जिसके कारण वह अपना सपना पूरा नहीं कर पाईं। मेरे जीवन में वह एक स्तम्भ के तौर पर हैं। भले जिंदगी में आप सबका कर्ज उतार दें लेकिन अपने मम्मी-पापा का कर्ज नहीं उतार सकते। मेरी जिंदगी में कोई रोल मॉडल रहा है तो वह मेरी मम्मी हैं।

ओटीटी से ज्यादा टीवी के कलाकारों को पसंद किया जाता

टीवी कलाकारों के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है क्योंकि उन्हें हर रोज एक नई कहानी के साथ खुद को तैयार करना पड़ता है। जितना लोग ओटीटी देखते हैं, उससे कहीं ज्यादा टीवी शोज पसंद करते हैं। अभी हमारी पुरानी पीढ़ी ओटीटी से ज्यादा जुड़ी नहीं है। टीवी के कलाकार हर घर में पसंद किए जाते हैं। टीवी शोज में केवल एक समस्या है और वह है उनका कॉन्टेंट। लगभग हर शो एक-दूसरे से मिलते-जुलते रहते हैं। ओटीटी हमेशा नई कहानी पेश करता है। यह लोकल कलाकारों को ज्यादा मौका दे रहा और उन्हें स्टार बना रहा है।

ओटीटी के कॉन्टेंट असल घटनाओं पर आधारित होते हैं

ओटीटी पर अश्लील कॉन्टेंट को लेकर एक्ट्रेस कहती हैं कि अगर किसी शो में ये डिमांड ना करे तो मुझे नहीं लगता कि इसका इस्तेमाल करना चाहिए। ये भी सच है कि ओटीटी जो कहानियां पेश कर रहा है, वो सच्ची घटनाओं पर आधारित होती हैं। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप उसको कैसे शूट कर रहे हैं। मेरा मानना है कि इस पर थोड़ा सोचना चाहिए। अगर आप कोई भी चीज जबरदस्ती डालोगे तो वह अश्लील ही समझी जाएगी।

नसीरुद्दीन शाह एक संस्थान हैं

नसीरुद्दीन शाह अपने आप में एक एक्टिंग का संस्थान हैं। मेरा

शुरू में इस शो को शूट कर रहे थे, तब तक वह नहीं थे। लास्ट के शूट में उनकी एंट्री हुई, तब उनके साथ काम करने का मौका मिला। हम लोग ज्यादातर समय उनके मेकअप रूम में बिताते थे। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती। वह जितने अच्छे कलाकार हैं, उससे अच्छे इंसान भी हैं।

सौरसेनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं

मैं बंगाल से हूं इसलिए मुझे उर्दू बोलने में थोड़ी दिक्कत होती थी। इसके लिए मैंने एक महीने तक उर्दू सीखी। शूट होने से पहले मैं आशीम से बोल देती थी कि अगर कहीं अटक जाऊं तो मुझे संभाल लेना। मेरा मानना है कि हिंदी से खूबसूरत भाषा इस दुनिया में और कोई नहीं है। हम दुनिया के किसी कोने में चले जाएं, इससे सरल और आसान भाषा कोई नहीं मिलेगी। इसके जरिए हम अपनी बात को आसानी से दूसरों के सामने रख सकते हैं।

इतिहास हर किसी को जानना चाहिए

मुगल इतिहास पर बन रही सीरीज के जवाब में उन्होंने कहा कि इतिहास हमारा पुराना वजूद बताता है। इसे हर किसी को पढ़ना और देखना चाहिए। हमें लगता है कि जब किसी इतिहास पर आधारित कोई फिल्म या वेब सीरीज बनाई जाती है तो उसमें मनोरंजन के लिए कुछ तथ्यों को अलग से जोड़ा जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है, ताकि दर्शकों का मनोरंजन हो सके। इसे आप पूरी तरह से इतिहास पर आधारित कहानी नहीं कह सकते। इसमें काल्पनिक चीजें भी जोड़ी गई हैं। पहले हिस्से में प्यार से जुड़ी कहानी थी तो इस बार आपको रंजिश देखने को मिलेगी।